पौष कृष्ण पक्ष नवमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 160 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
13 दिसंबर 2025 शनिवार

आज का मौसम
26.8 अधिकतम
6.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

ऐसी दीवानगी... मेसी की एक झलक के लिए बेताबी, महिला बोली- कैंसिल किया हनीमून प्लान!

कोलकाता, एजेंसी

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी 14 साल बाद आज भारत पहुंच गए। उनके साथ उरुग्वे के स्टार फुटबॉलर लुईस सुआरेज और अर्जेंटीना के मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल भी आए। तीनों खिलाड़ी देर रात करीब 2.30 बजे कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचे। उनके आने से पहले ही कोलकाता जबरदस्त उत्साह में डूबा हुआ था। मेसी मियामी से दुबई होते आएं हैं। देर रात होने के बावजूद हजारों फैंस एयरपोर्ट के बाहर उनकी एक झलक पाने के लिए जमा हो गए। लोग मेसी के नाम के नारे लगाते दिखे। अर्जेंटीना के झंडे भी लहराए। कई फैंस बैरिकेड्स पर चढ़ गए। फैंस को संभालने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहे हैं जहां कड़ाके की ठंड में भी फैंस उन्हें देखने के लिए सड़क के किनारे खड़े हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान ज्यों ही उनका काफिला उनकी आंखों से गुजरा, लोग मेस्सी-मेस्सी चिल्लाने लगे। एक अन्य वीडियो में देखा जा सकता है कि मेस्सी के उतरने की खबर सुनते ही लोगों में अफरा तफरी का माहौल हो गया। मेसी ने आज कोलकाता में अपने 70 फीट ऊंचे स्टैच्यू का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस दौरान शाहरुख खान भी शामिल रहे। मेसी यूनाइटेड नेशंस के चाइल्ड ऑर्गेनाइजेशन UNICEF के ब्रांड एम्बेसडर हैं, इसके तहत वे भारत में 'GOAT इंडिया' टूर कर रहे हैं। वे 15 दिसंबर तक 3 दिन में 4 शहरों का दौरा करेंगे। इनमें हैदराबाद, मुंबई और नई दिल्ली भी शामिल हैं। वे कोलकाता में ही बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और इंडियन क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली से मिले।

मेसी से मिलने शाहरुख खान पहुंचे। साथ में बेटा अबराम भी था।

नाराज प्रशंसकों ने स्टेडियम में बोतलें फेंकीं

सॉल्ट लेक स्टेडियम में मेसी का कार्यक्रम था और यहां भी उनके फैंस की संख्या कम नहीं थी। लेकिन यहां फैंस ने भारी हंगामा किया। मेसी के स्टेडियम में जाने के बाद फैंस नाराज हो गए और मैदान के अंदर बोतलें फेंकने लगे। इतना ही नहीं, फैंस ने स्टेडियम में कुर्सियां तक फेंकनी शुरू कर दीं। उधर हयात रीजेंसी होटल के बाहर भी उनके प्रशंसक बड़ी संख्या में जमा हुए हैं। उनके एक प्रशंसक ने कहा, 'हमने हाल ही में शादी की है, लेकिन मेसी के आने पर हमने अपना हनीमून प्लान रद्द कर दिया है, क्योंकि सबसे पहले हम मेसी को देखना चाहते हैं।

न्यूज विंडो

सिद्धू बोले- उन्हें आम आदमी पार्टी सरकार से खतरा

चंढीगढ़, एजेंसी। पंजाब कांग्रेस में भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के बाद नवजोत कौर सिद्धू ने अब आम आदमी पार्टी की सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए सुरक्षा की मांग की है। नवजोत कौर सिद्धू के बयान से पंजाब की राजनीति में भूचाल आ गया था। उन्होंने कहा था कि पंजाब में मुख्यमंत्री बनने के लिए 500 करोड़ रुपये का सूटकेस जरूरी होता है। इसके बाद कांग्रेस ने एक्शन लेते हुए उन्हें पार्टी से सस्पेंड कर दिया। अब नवजोत कौर ने भगवंत मान की सरकार पर हमला बोलेत हुए कहा है कि यह सरकार शराब और खनन माफिया की साथी है और इसलिए उन्हें सुरक्षा की जरूरत है।

घने कोहरे से एक दर्जन गाड़ियां आपस में टकराई

दादरी, एजेंसी। घने कोहरे के कारण ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर दो अलग-अलग जगहों पर सड़क हादसे हुए। जिसमें चक्रसेनपुर फ्लाईओवर पर तीन गाड़ियां और समाधिपुर फ्लाईओवर पर करीब एक दर्जन गाड़ियां आपस में टकरा गईं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी क्षतिग्रस्त गाड़ियों को सड़क से हटाकर सुरक्षित जगह पर खड़ा कर दिया। हादसों में किसी की जान का नुकसान नहीं हुआ है। यातायात सामान्य रूप से चल रहा है। कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

भिलाई में बोरी में बंद मिली अज्ञात महिला की लाश

भिलाई, एजेंसी। भिलाई के चंद्रा मौर्या अंडरब्रिज के पास सुबह एक बोरी में बंद अज्ञात महिला की लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह के समय अंडरब्रिज से गुजर रहे लोगों की नजर बोरी से बाहर लटकते हाथ पर पड़ी, जिसके बाद तत्काल इसकी सूचना डायल 112 को दी गई। सूचना मिलते ही सुपेला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके साथ ही फॉरेंसिक एक्सपर्ट और डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया।

दिल्ली में न्यू ईयर की पार्टी में नहीं फूटेंगे पटाखे

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली नए साल का जश्न मनाने को तैयार है। क्रिसमस की रौनक और न्यू ईयर की धूम के लिए दिल्ली के क्लब, रेस्टोरेंट और बार पूरी तरह तैयार हैं। लेकिन इस बार पार्टी में एक बड़ा बदलाव आने वाला है। अब इन जगहों पर पटाखे फोड़ने की सख्त मनाही है। गोवा के नाइट क्लब में हुए खौफनाक हादसे के बाद ये फैसला लिया गया।

आज का कार्टून

भोपाल-इंदौर रोड पर विक्रमादित्य द्वार का भूमिपूजन

मुख्यमंत्री बोले- दो साल की सरकार के लिए अमर हो गया आज का दिन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सूर्य के समान जिन विक्रमादित्य का शासन रहा उनके नाम पर आज भोपाल में विक्रमादित्य प्रवेश द्वार का भूमिपूजन किया जाना सौभाग्य की बात है। प्रदेश के बड़े शहर अब नया आकार लेने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री राजधानी से लगे फंदा में प्रवेश द्वार का भूमिपूजन कर रहे थे। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक रामेश्वर शर्मा और महापौर मालती राय भी उपस्थित थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विक्रमादित्य द्वार के भूमिपूजन के साथ ही न सिर्फ भोपाल के इतिहास के लिए, बल्कि हमारी दो साल की सरकार के लिए भी यह दिन अमर हो गया। यह प्रवेश द्वार सम्राट विक्रमादित्य के शौर्य, न्यायप्रियता और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक होगा जो भोपाल की ऐतिहासिक पहचान को मजबूती देने के साथ सौंदर्यीकरण और शहरी विकास को भी नई दिशा प्रदान करेगा। इस अवसर पर उन्होंने फंदा का नाम हरिहर नगर करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जब भी इसका प्रस्ताव आएगा, हम नाम बदल देंगे। उन्होंने फंदा के तुमड़ा गांव में स्कूल निर्माण के लिए 5 करोड़ देने की घोषणा की। साथ ही एक कॉलेज की स्थापना भी की जाएगी। मेट्रो पॉलिटन सिटी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भविष्य की दृष्टि से अब हमारे महानगर आकार लेंगे।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री इलेक्ट्रिक ई-बस सेवा योजना के तहत आधुनिक ई-बस डिपो का भूमिपूजन किया। विक्रमादित्य द्वार को प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक शहरी विकास को एक साथ आगे बढ़ाने की दिशा में अहम पड़ाव माना जा रहा है। मुख्यमंत्री पहले भी यह कह चुके हैं कि राज्य सरकार की प्राथमिकता विरासत के साथ विकास' की अवधारणा को जमीन पर उतारना है। इसी सोच के तहत ऐतिहासिक प्रतीकों को आधुनिक शहरों की पहचान से जोड़ा जा रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को प्रदेश की सांस्कृतिक जड़ों से जोड़े रखा जा सके।

ई-बस सेवा योजना से बढ़ेगी कनेक्टिविटी और सुविधा

दूसरी परियोजना प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के अंतर्गत भोपाल में बनने वाला प्रदेश का सबसे बड़ा और आधुनिक ई-बस डिपो है। यह डिपो पूरी तरह से पर्यावरण अनुकूल होगा जिसमें सोलर पावर, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, चार्जिंग स्टेशन और आधुनिक रखरखाव जैसी कई सुविधाएं होंगी। इस डिपो से शुरुआत में 100 से अधिक इलेक्ट्रिक बसों का संचालन होगा, जिससे भोपाल सहित आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण-मुक्त और कनेक्टिविटी बढ़ेगी। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से प्रदूषण में कमी आने के साथ ही यात्रियों को आधुनिक और किफायती परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी।

लखनऊ में मेगा इवेंट की तैयारी

अमित शाह के करीबी पंकज यूपी बीजेपी के अध्यक्ष होंगे

नईदिल्ली, एजेंसी

यूपी के अगले बीजेपी अध्यक्ष केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी होंगे। उनका नाम तय हो गया है, सिर्फ घोषणा करना बाकी है। रेस में केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति का नाम था, लेकिन आला-कमान ने चौधरी पर भरोसा जताया है। इस बीच साध्वी निरंजन ज्योति ने अचानक लखनऊ में भाजपा दफ्तर पहुंचकर सभी को चौंका दिया। सियासी गलियारे में हलचल मच गई। उन्होंने पत्रकारों से कहा संगठन पर्व में शामिल होने आई हूं। मैं कोई अपेक्षा नहीं पालती हूं। संगठन जो भी तय करेगा, आपको पता चल ही जाएगा। वहीं, पंकज चौधरी भी लखनऊ पहुंच गए हैं। वे भाजपा कार्यालय में नामांकन दाखिल करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को पार्टी मेगा इवेंट बनाने जा रही है।

बर्खास्त सिपाही ने काली कमाई से बनाए आलीशान घर

लखनऊ, एजेंसी

ईडी द्वारा रांची में शुभम जायसवाल की फर्म शैली ट्रेडर्स के ठिकानों पर छापों के दौरान 189 फर्जी फर्मों का ब्योरा मिला है, जिनके जरिए 450 करोड़ रुपये का टर्नओवर दर्शाया गया था। यह लेन-देन कफ सिरप की तस्करी को छिपाने के लिए दर्शाया गया था। वहीं शुभम जायसवाल के वाराणसी स्थित घर से तमाम लग्जरी सामान बरामद किया गया है, जिसमें प्रादा और गुच्ची के डिजाइनर बैग और राडो और ऑडेमर्स पिगुएट जैसे ब्रांड की हाई-एंड लग्जरी घड़ियां शामिल हैं। इनकी कीमत 1.5 करोड़ रुपये से ज्यादा है। जांच में सामने आया है कि शुभम जायसवाल, बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह, सहारनपुर के विभोर राणा व विशाल सिंह ने अपने आलीशान घरों में करोड़ों रुपये खर्च किए।

इंडिगो संकट में फंसकर परेशान हुए यात्रियों को अगले साल मिलेगा 500 करोड़ मुआवजा

नईदिल्ली, एजेंसी

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने अपने यात्रियों को मुआवजा देने की घोषणा की है। इंडिगो उन सभी यात्रियों को मुआवजा राशि देगी, जो 3, 4 और 5 दिसंबर को उड़ान रद्द होने या अधिक देरी होने से एयरपोर्ट पर फंसे रहे। मुआवजे की राशि 500 करोड़ से अधिक हो सकती है। एयरलाइन ने स्पष्ट किया है कि वह 3, 4 और 5 दिसंबर की उन सभी प्रभावित उड़ानों की पहचान कर रही है। इसके बाद जनवरी 2026 से यात्रियों से सीधे संपर्क करके रिफंड व मुआवजा प्रक्रिया शुरू करेगी। कंपनी ने इसे पारदर्शी, आसान और परेशानी-मुक्त बनाने का वादा किया है। एक्स पर एयरलाइन द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि हमारा लक्ष्य इस प्रक्रिया को आपके लिए यथासंभव पारदर्शी, आसान और परेशानी मुक्त बनाना है। हम उन ग्राहकों को 500 करोड़ रुपये से अधिक का मुआवजा प्रदान करेंगे, जिनकी उड़ानें प्रस्थान समय से 24 घंटे के भीतर रद कर दी गईं या कछ ऐसे ग्राहक जो एयरपोर्ट पर लंबे समय तक फंसे हुए थे। एयरलाइन जनवरी में ऐसे सभी यात्रियों से संपर्क करेगी ताकि उन्हें आसानी से मुआवजा दिया जा सके। एयरलाइन ने शीघ्र रिफंड जारी करने की बात कही है। इंडिगो ने एक्स पर कहा कि दिसंबर 2025 तक हमारा प्राथमिक ध्यान यह सुनिश्चित करने पर है कि प्रभावित ग्राहकों के सभी रिफंड कुशलतापूर्वक, शीघ्रता से और अत्यंत तत्परता के साथ भेजे जाएंगे।

देर रात खड़ी पिकअप से टकराई वैन

दर्दनाक सड़क हादसे में नीमच के स्कूल संचालक दंपति की मौत

नीमच/मंदसौर/चित्तौड़गढ़, एजेंसी

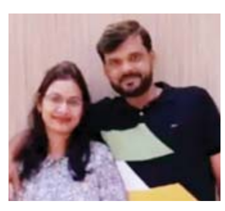

चित्तौड़गढ़ में एक वैन खड़ी पिकअप से जा टकराई। पीछे से आ रही थार भी वैन में घुस गई। हादसे में वैन में सवार स्कूल संचालक पति-पत्नी समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर घायल हो गया। हादसे के बाद थार ड्राइवर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। हादसा नेशनल हाईवे 56 पर निंबाहेड़ा के पास शुक्रवार देर रात हुआ। हादसे में वैन में सवार दंपती लखन मालू (40) और पत्नी सरिता मालू (36) निवासी सरवानिया महाराज, नीमच मध्यप्रदेश, पिकअप ड्राइवर बसंती लाल प्रजापत (35) निवासी भून्या खेड़ी मंदसौर की मौत हो गई। थाना प्रभारी संजय शर्मा ने बताया शुक्रवार रात को वसुंधरा मल्टी के सामने एक पिकअप में खराबी आ जाने के कारण खड़ी थी। ड्राइवर उसे ठीक करने की कोशिश कर रहा था। हादसे में मारे गए दंपत्ति नीमच में स्कूल का संचालन करते थे।

मेट्रो एंकर

अपने ही देश में झेलना पड़ रहा विरोध, शुल्क बढ़ाने के लिए नहीं ली गई कांग्रेस की अनुमति

ट्रंप की घेराबंदी...एच-1बी वीजा फीस के खिलाफ कोर्ट पहुंचे 20 राज्य

वाशिंगटन, एजेंसी

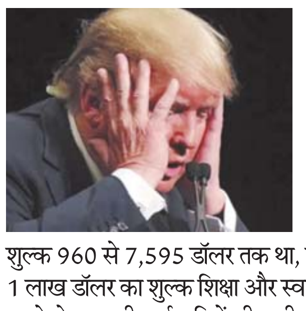

अमेरिका के 20 राज्यों ने राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के उस विवादास्पद फैसले को लेकर मुकदमा दायर किया है, जिसमें नए एच-1बी वीजा आवेदनों पर 1 लाख डॉलर का भारी-भरकम शुल्क लगाने का आदेश दिया गया था। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा की अगुवाई में एच-1बी वीजा पर लगे इस शुल्क को लेकर मुकदमा दायर किया गया है, जिसमें तर्क दिया गया है कि यह शुल्क पूरी तरह गैरकानूनी है, प्रशासन के पास इसे लगाने का कोई अधिकार नहीं था और यह अस्पतालों, विश्वविद्यालयों व सार्वजनिक स्कूलों जैसी जरूरी सेवाओं के लिए गंभीर खतरा बन जाएगा। अमेरिका राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने 19 सितंबर 2025 इसकी घोषणा की थी । घोषणा के तुरंत बाद 21 सितंबर से होने वाले आवेदनों पर लागू कर दिया गया था। इसको लेकर राज्यों का तर्क है कि पहले जहां एच-1बी के लिए कुल शुल्क 960 से 7,595 डॉलर तक था, वहीं अब का 1 लाख डॉलर का शुल्क शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में पहले से चल रही कर्मचारियों की कमी को और बढ़ा देगा। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा ने दायर मुक़दमे में तर्क दिया कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में कैलिफोर्निया जानता है कि जब दुनिया भर से कुशल प्रतिभाएं हमारे वर्कफोर्स में शामिल होती हैं, तो यह हमारे राज्य को आगे बढ़ाती है। लेकिन ट्रंप द्वारा निर्धारित अवैध 100 हज़ार डॉलर का एच-1बी वीजा शुल्क कैलिफोर्निया के सार्वजनिक नियोक्ताओं और अन्य महत्वपूर्ण सेवा प्रदाताओं पर अनावश्यक और अवैध वित्तीय बोझ डालता है, इससे प्रमुख क्षेत्रों में कर्मचारियों की कमी हो जाती है। राज्यों का तर्क है कि ट्रंप प्रशासन ने यह शुल्क लगाने के लिए न तो कांग्रेस की मंजूरी ली और न ही प्रशासनिक प्रक्रिया अधिनियम के तहत जरूरी नियम-निर्माण प्रक्रिया का पालन किया। ऐतिहासिक रूप से एच-1बी शुल्क सिर्फ कार्यक्रम चलाने की लागत तक सीमित रहे हैं, न कि मनमाने राजस्व जुटाने का जरिया। ऐसे में अब सभी की नजरें इस बात पर रहेंगी कि मुकदमा क्या मोड़ लेता है। क्या ट्रंप को अपना फैसला वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

भारत पर टैरिफ बढ़ाने का विरोध

भारत पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाने पर भी ट्रंप को अपने ही देश में आलोचना झेलनी पड़ रही है। ट्रंप के इस फैसले के खिलाफ अमेरिकी संसद में एक प्रस्ताव पेश किया गया है, जिसमें भारत पर लगा 50 प्रतिशत टैरिफ हटाने की बात कही गई है। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति, सांसद डेबोरा रॉस और सांसद मार्क वेसी ने मिलकर निचले सदन में यह संकल्प पत्र पेश किया है। इस संकल्प पत्र में कहा गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा घोषित राष्ट्रीय आपातकाल को समाप्त करने की मांग की गई है, जिसके तहत भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा है। अमेरिकी सांसदों ने इसे अवैध और अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक करार दिया है।

डीआईजी बंगला रोड पर खतरनाक गड्डे बन रहे हादसे का कारण

भोपाल के पुराने शहर स्थित डीआईजी बंगला रोड पर सड़क के बीच बने खतरनाक गड्ढे अब किसी बड़े हादसे का इंतजार करते दिख रहे हैं। लंबे समय से सड़क की मरम्मत नहीं हुई है। सबसे ज्यादा परेशानी शाम के समय होती है, जब सड़क पर ट्रैफिक बढ़ जाता है और गड्ढों में पानी व अंधेरा होने से वाहन चालक गड्ढे का अंदाज़ा भी नहीं लगा पाते। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम के अधिकारियों को कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन मरम्मत का काम आज तक शुरू नहीं हुआ। प्रतिदिन दोपहिया वाहन चालक असंतुलित होकर गिरते-गिरते बच रहे हैं, जबकि कार चालकों को अपनी गाड़ी नुकसान होने का डर बना रहता है। रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सड़क की मरम्मत नहीं की गई तो यहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इसके बावजूद नगर निगम की निष्क्रियता पर लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर कब तक इस महत्वपूर्ण मार्ग की अनदेखी की जाएगी। स्थानीय जनता मांग कर रही है कि प्रशासन तुरंत निरीक्षण कर सड़क को दुरुस्त कराए।

जाम से छुटकारा पाने के लिए रेतघाट से भोपाल टॉकीज तक ट्रैफिक वन-वे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पुराने शहर की सड़कों पर ट्रैफिक के दबाव को नियंत्रित करने और अव्यवस्थित यातायात पर लगाम लगाने ट्रैफिक पुलिस ने अब 'वन-वे फार्मूला' लागू किया है। इसके तहत रेतघाट से भोपाल टॉकीज चौराहे तक वाहनों की आवाजाही को एकतरफा किया गया है, वहीं वापसी के लिए अलग वैकल्पिक मार्ग तय हुआ है।

ट्रैफिक नियमों को तोड़कर यदि कोई वाहन चालक रान्ग साइड से प्रवेश करता है तो चैकिंग प्वाइंट पर चालानी कार्रवाई होगी। साथ ही निगरानी के लिए कई स्थानों पर आईटीएमएस के कैमरे लगाए जाएंगे। रेतघाट से भोपाल तक का मार्ग नए और पुराने शहर को जोड़ने वाला सबसे व्यस्त रास्ता माना जाता है। रोजाना करीब एक लाख वाहन इस इलाके से गुजरते हैं। जिससे दिनभर ट्रैफिक का भारी दबाव बना रहता है। इसी समस्या से निजात पाने पुलिस ने करीब 15 दिन पहले से यहां वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था का संचालन शुरू किया था। वहीं अब नियम तोड़ने पर स ती करते हुए चालानी कार्रवाई भी शुरू कर दी है। ट्रैफिक पुलिस ने जिस मार्ग को वन-वे किया है, वहां हमीदिया अस्पताल, भवानी चौक, जुमेराती, इतवारा और आसपास के बाजारों की वजह से दिनभर ट्रैफिक का भारी दबाव बना रहता है। थोड़ी-सी लापरवाही भी मिनटों में लंबे जाम का कारण बन जाती थी। कई बार एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड तक को रास्ता नहीं मिल पाता था। इन मार्गों के बीच में कई छोटी और संकरी गलियां जुड़ती हैं, वहां आमने-सामने की आवाजाही से जाम की स्थिति उत्पन्न होती है।

गलियां संकरी होती गईं, वाहनों का दबाव बढ़ता गया

ट्रैफिक अधिकारियों का कहना है कि यह फैसला कई दिनों के ट्रैफिक लो के अध्ययन के बाद लिया गया है। पुराने शहर की सड़कें बेहद संकरी हैं, लेकिन वाहनों की सं या लगातार बढ़ती जा रही है। दुपहिया, चार पहिया, आटो, ठेले और बेतरतीब पार्किंग के कारण हालात और बिगड़ जाते थे। वन-वे व्यवस्था से वाहनों का प्रवाह एक दिशा में रहेगा, जिससे सड़क पर जगह बनेगी और जाम की स्थिति अपने आप कम होगी।

एम्स की डॉक्टर ने लगा लिया था इंजेक्शन

खुदखुशी की कोशिश करने वाली डॉक्टर गंभीर

पुलिस को न सुसाइड नोट मिला और न कोई मैसेज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एम्स के इमरजेंसी विभाग की डॉक्टर रश्मि वर्मा ने खुदकुशी की कोशिश की है। उन्होंने घर पर ही बेहोशी की दवा का इंजेक्शन लगा लिया। पति ने देखा तो तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। पल्स रेट और हार्टबीट लगातार गिरती देख साथी डॉक्टरों ने उन्हें तत्काल सीपीआर देकर रिवाइव किया। फिलहाल उनकी स्थिति क्रिटिकल बनी हुई है। डॉ. रश्मि वर्मा ने ऐसा क्यों किया, इसकी वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है।

साथी डॉक्टरों के मुताबिक, इमरजेंसी एंड ट्रॉमा विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रश्मि वर्मा ने गुरुवार को अपनी ड्यूटी पूरी की। इसके बाद वे शाम को घर लौट गईं। रश्मि के पति ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन शाक्य रात करीब साढ़े 10 बजे उनको बेहोशी की हालत में लेकर एम्स आए थे। डॉ. शाक्य ने बताया कि घर पर सब नॉर्मल था। सब अपना-अपना काम कर रहे थे। वे डॉ. रश्मि के पास पहुंचे तो वो बेहोश मिलीं। नर्सिंग स्टाफ ने बताया- बुधवार को अचानक मैडम ने दो वायल लिए। पूछा तो उन्होंने कहा कि उनके रिलेटिव को लगना है। इसके बाद उन्होंने खुद को कैनुला लगवाया। इसे लगाने से पहले उनसे पूछा तो उन्होंने बताया कि उन्हें डायरिया हो रहा है इसलिए वे घर पर मेडिसिन ले लेंगी।

एम्स के नामी डॉक्टरों में शामिल: डॉ. रश्मि वर्मा ने एमबीबीएस की डिग्री प्रयागराज के एमएलएन मेडिकल कॉलेज से पूरी की है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर से जनरल मेडिसिन में एमडी किया है। डायबिटीज में सर्टिफिकेट कोर्स भी किया है। एम्स भोपाल में 3 वर्ष सीनियर रेजिडेंसी के अलावा एलएन मेडिकल कॉलेज, पीएमएस भोपाल जैसे संस्थानों में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में काम किया है। उन्हें टीचिंग का 5 साल का एक्सपीरियंस है।

72 घंटे बाद स्पष्ट होगी स्थिति

रश्मि का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने कहा- वे जब तक एम्स पहुंची, करीब 25 मिनट हो चुके थे। इन 25 मिनट में उनके हार्ट ने काम करना लगभग बंद कर दिया था। वे रिकवर कर रही हैं, लेकिन नसों को कितना नुकसान पहुंचा है, यह स्थिति 72 घंटे बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल वो मेन आईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। एम्स प्रबंधन का कहना है कि डॉ. रश्मि ने यह कदम क्यों उठाया, अभी यह क्लियर नहीं है। न कोई सुसाइड नोट मिला और न ही उनके किसी मैसेज की जानकारी अब तक सामने आई है।

गांधी मेडिकल कॉलेज में नवजात शिशु के उपचार पर कार्यशाला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गांधी मेडिकल कॉलेज में नवजात शिशु एवं बालकों के उपचार और देखभाल के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशालाएं 56वें एमपी पेडिकॉन अभिकल्प के तहत आयोजित की गई, जिसमें प्रदेश भर के 100 से अधिक शिशु रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यशाला पूर्ण रूप से स्किल बेस्ड हैंड्स ऑन ट्रेनिंग पर आधारित थी। विभिन्न वर्क स्टेशन में प्रतिभागियों को नवजात से लेकर बाल्यकाल के मरीजों की गहन चिकित्सा इकाई में उपचार एवं गृह देखभाल तक सम्पूर्ण कौशल स्किल्स सिखाई गई । डीन डॉ. कविता एन सिंह ने प्रतिभागियों को सन्देश दिया कि वे जो भी ज्ञान यहां से सीख कर जाएं उसे अपने अपने जिला एवं सिविल अस्पतालों में जाकर क्रियान्वित करें, जिससे प्रदेश के शिशुओं को बेहतर उपचार मिल सके एवं प्रदेश में बाल एवं नवजात मृत्यु दर कम की जा सके। यूनिसेफ, नेशनल हेल्थ मिशन एवं क्लिंटन हेल्थ द्वारा कार्यशाला को सहयोग दिया गया। कार्यशाला का समन्वय शिशु रोग विभाग के विशेषज्ञ डॉ.अमित अग्रवाल एवं डॉ. पूर्वा गोहिया द्वारा किया गया। शिशु रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मंजूषा गोयल द्वारा बताया गया कि कार्यशाला को संचालित करने के लिए प्रदेश के प्रसिद्ध नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ विभिन्न स्थानों से भोपाल आए।

साधु वासवानी युवा क्लब की पहल

पर्यावरण, पोषण व शिक्षा के प्रति जागरुकता

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्वशासी महाविद्यालय, बैरागढ़ के साधु वासवानी युवा क्लब की छात्राओं ने ग्राम रतनपुर में स्वच्छता और पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस अवसर पर युवा क्लब के सदस्यों ने बरखेड़ा सालम के सरपंच नरेश कुमार मालवीय, पीएम शासकीय विद्यालय के प्राचार्य, क्लब के संयोजक श्याम शाक्य, और संस्थापक डॉ. अनुपम सेलट के साथ वृक्षारोपण किया, जिससे छात्रों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जा सका। साथ ही, समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. मीना मोटवानी ने नारी सशक्तिकरण विषय पर एक प्रेरणादायक व्याख्यान दिया। इसके अतिरिक्त, युवा क्लब ने सरकारी प्राथमिक विद्यालय, रतनपुर में एक शैक्षणिक विस्तार कार्यक्रम का सफल आयोजन किया, जहाँ महाविद्यालय के विभिन्न विभागों ने छात्रों के लिए सूचनात्मक सत्र आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत क्लिनिकल न्यूट्रीशन विभाग के सत्र से हुई, जिसमें सहायक प्राध्यापक अनुष्का श्रीवास्तव ने छात्रों को संतुलित आहार, आवश्यक पोषक तत्वों और सुबह के नाश्ते के महत्व को बताया। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि सिंह ने हिंदी व्याकरण के मूलभूत सिद्धांतों से परिचित कराया और शुद्ध हिंदी के प्रयोग के लिए प्रेरित किया। युवा क्लब के अध्यक्ष मोहित नरवरिया और अन्य सदस्यों का जागरूकता कार्यक्रम में विशेष योगदान रहा। महाविद्यालय की साधु वासवानी एजुकेशनल सोसायटी के अध्यक्ष दयालदास डेटानी और प्राचार्य डॉ. ए.के. सिंह ने क्लब द्वारा किए गए इस उत्कृष्ट कार्य की सराहना की।

स्टार रेटिंग प्रणाली श्रम विभाग ने शुरू की

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

श्रम विभाग ने श्रम स्टार रेटिंग प्रणाली शुरू की है। कारखानों एवं प्रतिष्ठानों की श्रम स्टार रेटिंग संबंधित जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। जहां से इसे सरलता से प्राप्त और सत्यापित किया जा सकता है। इससे न केवल समाज में उचित श्रम प्रथाओं के महत्व की जागरुकता बढ़ेगी, बल्कि उपभोक्ताओं को भी सामाजिक रूप से जिम्मेदार व्यवसायों को प्राथमिकता देने में सहायता प्राप्त होगी। उच्च श्रम स्टार रेटिंग वाले कारखार्नी संस्थानों के उत्पाद की और उपभोक्ता सहज ही आकर्षित होगे, जिससे नियोजकों में भी अपने श्रमिकों के हितों के प्रति प्रतिबद्धता दृढ़ होगी। आमजन से भी अपेक्षा है कि किसी उत्पाद के संबंध में बम स्टार रेटिंग को ध्यान में रखे ताकि श्रमिकों के हितों के उद्देश्य को संरक्षित किया जा सके। प्रणाली के तहत कारखानों, दुकान एवं स्थापना के तहत यूटीआर पर स्टार रेटिंग हेतु अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। इस आवेदन से संस्थान द्वारा कुल दस मापदंण्डों के प्रावधानों के अनुपालन की स्थिति अनुसार स्व आकलन होगा। इस प्रक्रिया से कारखाना/संस्थान ऑनलाईन श्रम स्टार रेटिंग सर्टिफिकेट जारी हो सकेगा।

मेट्रो एंकर

संतनगर में निकाली भव्य शौर्य यात्रा

बजरंग दल ने मनाया 'शौर्य दिवस', संगोष्ठी का आयोजन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) बजरंग दल की संत नगर इकाई ने शौर्य दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया। संगोष्ठी एवं पैदल शौर्य यात्रा निकाली गई।

कार्यक्रम की शुरुआत जैन मंदिर धर्मशाला में आयोजित एक संगोष्ठी से हुई। इस संगोष्ठी में गंगा धाम आश्रम के पूज्य संत तुलसीजी और मध्य भारत प्रांत के विशाल पुरोहित शामिल हुए। मुख्य वक्ता के रूप में भोपाल विभाग मंत्री जीवन शर्मा ने अपने विचार रखे। जैन समाज संत नगर के सचिव राकेश जैन भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संगोष्ठी के समापन के बाद, एक पैदल शौर्य यात्रा (संचलन) निकाली गई। यह शौर्य यात्रा मुख्य मार्ग से शुरू हुई और शहर के भीतरी मार्गों से होते हुए गुजरी। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने उत्साह का प्रदर्शन किया। यह संचलन वापस जैन धर्मशाला, बस स्टैंड पर आकर समाप्त हुआ। बता दे 6 दिसंबर 1992 को विवादित ढांचा तोड़े जाने की घटना, जो गीता जयंती के दिन हुई थी, को हिंदू समाज शौर्य दिवस के रूप में मनाता है। इस अवसर पर, हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विहिप बजरंग दल ने यह कार्यक्रम पूरे उत्साहपूर्वक मनाया।

कार्यक्रम में जिला और प्रखंड स्तर के बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष अशोक सिंघाई, जिला मंत्री चंद्र प्रकाश सबनानी, जिला संयोजक गजेंद्र मेवाड़ा, उपाध्यक्ष भूपेंद्र गुर्जर सहित जीतू कटारिया, दयाराम मेहर, पवन धाकड़, संदीप जैन, त्रिलोक खियानी, युवराज मीना समेत खंड इकाई के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आस्ट्रेलिया में धर्मेंद्र वसंदानी ने पूरी की आयरनमैन 70.3 ट्रायथलॉन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

उद्यमी और एमइएस बिल्डर्स एसोसिएशन के चेयरमैन धर्मेंद्र वसंदानी ने अपनी एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने 7 दिसंबर को वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के बसेल्टन में आयोजित, दुनिया की सबसे कठिन प्रतियोगिताओं में से एक, आयरनमैन 70.3 ट्रायथलॉन को पूरा किया।

इस चुनौतीपूर्ण इवेंट में प्रतिभागियों को 2 किमी तैराकी, 90 किमी साइक्लिंग और 21 किमी दौड़ को अधिकतम 8 घंटे 30 मिनट में पूरा करना होता है, जिसे वसंदानी ने 8 घंटे 5 मिनट में पूरा किया। फुल मैराथन और विभिन्न फिटनेस चुनौतियों को पहले भी सफलतापूर्वक पूरा कर चुके वसंदानी ने इस सफलता का श्रेय अपने कोच ज़मरान हुसैन और अपने परिवार को दिया।

बोरवन क्लब के अध्यक्ष और पूज्य सिंधी पंचायत के उपाध्यक्ष जगदीश आसवानी ने कहा कि यह पूरे भोपाल और सिंधी समाज के लिए सम्मान की बात है। आसवानी ने बताया वसंदानी का जल्द ही सम्मान किया जाएगा।

डॉ. मोहन यादव का
अभ्युदय मध्यप्रदेश
भारत के गौरवशाली अतीत और संस्कृति से जोड़ती अहम पहल
सम्राट विक्रमादित्य प्रवेश द्वार
भूमिपूजन
मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा
13 दिसम्बर, 2025 । पूर्वाह्न 10:00 बजे
शासकीय माध्यमिक विद्यालय, फंदा, भोपाल
विरासत के साथ शहरी विकास
विक्रमादित्य द्वार
विकास और सेवा के 2 वर्ष
D-11158/25
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

सम्मान में धुंध क्यों?

मध्यप्रदेश के सबसे प्रतिष्ठित खेल सम्मानों में से एक विक्रम अवार्ड इस वर्ष चर्चा का विषय नहीं, बल्कि विवाद का केंद्र बन गया है। न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने 2023 के लिए प्रस्तावित अवार्ड पर अंतरिम रोक लगाते हुए जिस तरह तत्काल आयोजन पर पाबंदी लगाई है, वह इस प्रश्न को और तीखा कर देता है कि आखिर हमारे पुरस्कार तंत्र में ऐसी अस्पष्टता क्यों पनप रही है? अदालत का यह कदम किसी औपचारिक प्रक्रिया का हिस्सा मात्र नहीं है- यह चयन प्रणाली की विश्वसनीयता पर लगा सीधा सवाल है। अदालत ने छिंदवाड़ा की पर्वतारोही भावना डेहरिया को नोटिस जारी किया है और अगली सुनवाई की तिथि 5 जनवरी 2026 तय की है। यह लंबा अंतराल स्वयं बताता है कि मामला गंभीर है और बिना ठोस जवाब के आगे बढ़ना मुश्किल। याचिका सीहोर की पर्वतारोही मेघा परमार ने दायर की है- एक ऐसी पर्वतारोही जिन्हें न सिर्फ पहाड़ों की ऊंचाइयों का अनुभव है, बल्कि मान-सम्मान की असली कीमत भी पता है। मेघा की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक कृष्ण तन्खा और अधिवक्ता अतुल जैन ने अदालत के सामने साफ कहा कि उनकी उपलब्धि किसी भी पैमाने पर भावना डेहरिया से कमतर नहीं है। सबसे दिलचस्प और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि मेघा ने भावना के चयन का विरोध नहीं किया; उन्होंने उस 'समान अवसर' पर उंगली उठाई है, जिस पर किसी भी सम्मान की साख टिकी होती है। 22 मई 2019 को माउंट एवरेस्ट की चोटी पर तिरंगा फहराने वालों में मेघा सबसे पहले पहुंची थीं– सुबह पांच बजे। भावना डेहरिया उसी दिन पौने दस बजे शिखर पर पहुंचीं। पांच घंटे का यह अंतर केवल समय का अंतर नहीं है- यह उपलब्धि के मूल्यांकन का पैमाना भी है। यदि दोनों पर्वतारोही एक ही साहसिक उपलब्धि का दावा करती हैं तो क्या चयन प्रक्रिया ने दोनों के योगदान को समान रूप से परखा? यह वही सवाल है जो अदालत को दखल देने पर मजबूर करता है, और यही वह सवाल है जो खेल पुरस्कारों की नींव को चुनौती देता है। विक्रम अवार्ड- जो साहसिक खेलों में उत्कृष्टता का प्रतीक माना जाता है- की गरिमा केवल पुरस्कार पर नहीं, बल्कि उस पारदर्शिता पर निर्भर करती है जिसके आधार पर विजेताओं का चयन होता है। जब चयन की प्रक्रिया पर धुंध छा जाए, तो सम्मान का अर्थ भी धुंधला होने लगता है। हाई कोर्ट की रोक इस बात की चेतावनी है कि प्रशासन को अपने पुरस्कार तंत्र को केवल दिखावे की पारदर्शिता से नहीं, बल्कि वास्तविक निष्पक्षता से लैस करना होगा। क्योंकि खेलों में उपलब्धि तभी चमकती है, जब उसे समानता के साफ आसमान में देखा जाए- ना कि संदेह के बादलों में घिरी किसी सुबह में।

वन्दे मातरम पर विवाद और खेमेबाजी देश की मूल भावना से खिलवाड़

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार

इससे ज्यादा शर्मसार करने वाली बात क्या हो सकती है कि आज लोकतंत्र के पावन मंदिर में राष्ट्रगीत को लेकर खेमेबाजी हो रही है जबकि इस पर समूचे राष्ट्र को एकमत होना चाहिए था। वंदेमातरम् गीत के 150 वर्ष पर चर्चा होने के अवसर पर लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वंदे मातरम् गीत की गूंज ने न सिर्फ अंग्रेजों की नींद उड़ा दी थी बल्कि पूरे भारत में उत्साह का ऐसा माहौल तैयार किया था जो न सिर्फ स्वतंत्रता का मंत्र बना बल्कि आजाद भारत के लिए भी विजन बनकर सामने आया। यह गीत आजादी का उद्?गार बन गया था और हर देशवासी इस गीत से प्रेरित होकर अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ रहा था। इस गीत से देश में बने नये माहौल को देखकर अंग्रेज बौखला गये थे इसलिए उन्होंने इस गीत पर प्रतिबंध लगा दिया और इसे गाने को अपराध मानकर लोगों पर जुल्म ढहाने शुरू कर दिए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम् पर चर्चा में कोई पक्ष और प्रतिपक्ष नहीं है क्योंकि इसी गीत से मिली प्रेरणा के कारण हम सब यहां बैठे हैं और यह हम सबके लिए पावन पर्व है।

आपको पता रहे वंदे मातरम को 1950 में भारत के संविधान सभा द्वारा भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया गया। वंदे मातरम की की रचना शुरू में स्वतंत्र रूप से की गई थी और बाद में इसे बंकिम चंद्र चटर्जी के 1882 में प्रकाशित उपन्यास आनंदमठ में शामिल किया गया। इसे पहली बार रवींद्रनाथ टैगोर ने 1896 में कोलकाता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में गाया था। एक राजनीतिक नारे के रूप में वंदे मातरम का पहली बार प्रयोग 7 अगस्त 1905 को हुआ था। इस वर्ष, 7 नवंबर 2025 को भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ थी, जिसका अनुवाद मां, मैं आपको नमन करता हूं, है। आज 8 दिसंबर को सदन में इस पर चर्चा हुई। जिस पर सरकार एवं विपक्षियों ने अपनी अपनी राय रखी। यह रचना, एक चिरस्थायी गान ने स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निर्माताओं की अनगिनत पीढ़ियों को प्रेरित किया है, जो भारत की राष्ट्रीय पहचान और सामूहिक भावना के स्थायी प्रतीक के रूप में खड़ा है। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित, वंदे मातरम पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में 7 नवंबर 1875 को प्रकाशित हुआ था। बाद में, बंकिम चंद्र चटर्जी ने अपने अमर उपन्यास आनंदमठ में भजन को शामिल किया, जो 1882 में प्रकाशित हुआ था। इसे रवींद्रनाथ टैगोर ने संगीतबद्ध किया था। यह राष्ट्र की सभ्यता, राजनीतिक और सांस्कृतिक चेतना का एक अभिन्न अंग बन गया है। इस मील के पत्थर को मनाने का अवसर एकता, बलिदान और भक्ति के कालातीत संदेश की पुष्टि करने का अवसर प्रदान करता है। बंदे मातरम पर संसद में आज 8 दिसंबर सोमवार को विशेष चर्चा हुई और, ये ऐसे दौर में हो रहा है जब विपक्ष एसआईआर पर चर्चा चाहता है। राज्यसभा बुलेटिन में वंदे मातरम को भी जय हिंद और दूसरे शब्दों के साथ शामिल किया गया है। ममता बनर्जी का भी इस मुद्दे पर मुखर हो जाना, वंदे मातरम के बंगाल कनेक्शन की तरफ खास इशारे कर रहा है। संसद में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर चर्चा हुई। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इस विषय पर अपनी राय रखी। वंदे मातरम् पर यह बहस केवल एक रस्म नहीं है बल्कि यह ऐसे समय पर हो रही है जब इस गीत को लेकर राजनीति गरम है। नवंबर महीने में इस गीत के 150 साल पूरे होने पर पीएम मोदी ने कहा था कि कांग्रेस ने 1937 के अधिवेशन में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के कुछ जरूरी हिस्से हटा दिए। कांग्रेस का यह कदम विभाजन के बीज बोने जैसा था। पीएम मोदी का आरोप था कि राष्ट्रगीत को टुकड़ों में बांटकर इसकी मूल भावना कमजोर कर दी गई है। सबसे पहले वंदे मातरम् की रचना की बात करें तो बॉकम चंद्र चटर्जी ने इस राष्ट्रगीत की रचना की थी। इसे पहली बार सात नवंबर 1875 को साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में प्रकाशित किया गया था। उस दिन से लेकर आजतक यह गीत करोड़ों देशवासियों के हृदय में देशभक्ति को अलख जगा रहा है। मातृभूमि की आराधना के प्रतीक इस गीत को सुनते ही ब्रिटिश अफसरों के कान खड़े हो जाते। अंग्रेजों द्वारा वंदे मातरम् गीत को गाने या छापने पर भी बैन लगा दिया गया था। आगे चलकर यह छह छंदों वाला गीत मूल रूप से बंकिम चंद्र चटर्जी के उपन्यास आनंदमठ का हिस्सा बना जो 1882 में प्रकाशित हुआ। इस उपन्यास में सन्यासी विद्रोह की कहानी के माध्यम से बंकिम ने ने भारत को मां दुर्गा के रूप में चित्रित किया इसमें सुफला, सुफला, मलयजशीतलाम...। यह गीत गुलामी की जंजीरों में जकड़े भारत को समृद्धि और शक्ति का सपना दिखाता था। 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में इस गीत को एक नई पहचान मिली। रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे संगीतमय रूप दिया और इसे कलकत्ता के अधिवेशन में गाया। संगीतमय प्रस्तुति ने इस गीत को अमर कर दिया। यह गीत जनमानस में तेजी से लोकप्रिय होने लगा। हर तरफ वंदे मातरम् की गूंज सुनाई देने लगी। तब ब्रिटिश राज ने इसे अपनी सरकार के खिलाफ खतरनाक मान लिया।

जिस देश के पीछे न जाने कितनी मां की गोद सूनी हो गई, कितनी महिलाओं की मांग के सिंदूर धुल गए, बंग-भंग आन्दोलन के समय जो गीत धरती से आकाश तक गूंज उठा, बंगाल की खाड़ी से जिसकी लहरें इंगलिश चैनर पार कर ब्रिटिश पार्लियामेंट तक पहुंच गईं, जिस गीत के कारण बंगाल का बंटवारा नहीं हो सका, उसी गीत को अल्पसंख्यकों की तुष्टि के लिए खंडित किया गया। यहां तक कि उन्हें प्रसन्न करने के लिए मातृभूमि को खंडित किया गया। उसके बाद भी जनमानस को उद्वेलित करने वाले इस गीत को प्रमुख राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार नहीं किया गया।इस से बड़ा दुर्भाग्य कुछ नहीं हो सकता है। आज संसद में वंदेमातरम को लेकर जो खींचतान पक्ष विपक्ष कर रहा है वह भी वंदेमातरम की गरिमा से खिलवाड़ से अधिक कुछ नहीं है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

ऊर्जा संरक्षण दिवस: ऊर्जा-संकट से बचने लिए चाहिए ऊर्जा संरक्षण, बिगड़ी आदतें बढ़ा रही हैं मांग

गिरीश्वर मिश्र
हिंदी विवि वर्धा के पूर्व कुलपति

ऊर्जा के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। भौतिक नियम बताता है कि ऊर्जा न पैदा की सकती है न समाप्त; उसका सिर्फ़ रूपांतरण ही होता है। मानव जीवन की सारी गतिविधियाँ इस मायावी ऊर्जा पर ही टिकी हुई हैं। ऊर्जा ही अपना रूप बदल-बदल कर हमारी कल्पनाओं को साकार करती है। सामान्यतः अदृश्य-सी रहने वाली ऊर्जा हमारे दृश्य जगत को रचते हुए हर जगह हावी है। ऊर्जा के नए-नए स्रोत खोजे जाते रहे हैं जो आणविक ऊर्जा तक पहुँचे हैं। ईंधन से भोजन बनाने में ही नहीं उसके लिए प्रयोग में आने वाली सामग्री हम तक पहुचे इसके लिए हर कदम पर जरूरी मशीन, उर्वरक, पानी सबके लिए अलग-अलग तरह से ऊर्जा की ज़रूरत पड़ती है। ऐसे ही परिवहन, मौसम से सुरक्षा और वस्तुओं के निर्माण के लिए भी ऊर्जा आवश्यक है।

दरअसल, आधुनिक जीवन शैली, पारिस्थितिकी, प्रदूषण और ऊर्जा के उपयोग के प्रश्न आपस में बुरी तरह से गुँथे हुए हैं। विकास के साथ प्रति व्यक्ति ऊर्जा की माँग बढ़ रही है। समृद्ध देशों में जीवन स्तर को उन्नत रखने के लिए अधिकाधिक ऊर्जा चाहिए, उभरते देशों में कृषि अर्थ व्यवस्था से औद्योगिक व्यवस्था की तरफ़ आगे बढ़ने में भी ऊर्जा चाहिए। परंतु यह भी जरूरी है कि उन 80 प्रतिशत लोगों के साथ मिल कर काम किया जाय जिनके पास केवल एक चौथाई संपत्ति है। ऊर्जा की समस्या वैज्ञानिक, तकनीकी, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कई जटिल समस्याओं का परस्पर गुँथा समूह है। भारतवर्ष की विशालकाय जनसंख्या और आर्थिक गतिविधि में तेजी के कारण यहाँ ऊर्जा की माँग निरंतर बढ़ती जा रही है। आज भारत विश्व में ऊर्जा की खपत की दृष्टि से तीसरे स्थान पर है। परंतु हमारा बुनियादी ढांचा कमजोर पड़ रहा है जिसके चलते बिजली आपूर्ति में बड़ी बाधा पहुँचती है और उसका दुरुपयोग भी होता है। साथ ही देश में ऊर्जा की ग़रीबी भी बनी हुई है। दुर्बल वर्ग के लोगों को बिजली और अन्य आधुनिक ऊर्जा के संसाधन अभी भी उपलब्ध नहीं हो सके हैं। यह भी गौरतलब है कि जीवाश्म ऊर्जा (फॉसिल फ्यूल) के अत्यधिक उपयोग से कार्बन उत्सर्जन की मात्रा भी तेजी से बढ़ रही है। इसका पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव है और वह ख़तरनाक साबित हो रहा है। भारत की ऊर्जा मुख्यतया जीवाश्म ईंधन यानी कोयला, तेल तथा गैस आदि से उपलब्ध होती है। आज देश में बिजली उत्पादन का 70 प्रतिशत कोयले पर टिका है। आयात और घरेलू आपूर्ति में कमी के चलते यह अब बड़ा मंहगा पड़ रहा है। इस पर निर्भरता, ऊर्जा की बढ़ती मांग, अन्य देशों पर निर्भरता, पुराने क़िस्म का ढाँचा और नवीकरण की संभावना वाले ऊर्जा स्रोतों को अपनाने में धीमी गति ने देश के सामने मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। इनसे ऊर्जा-सुरक्षा, विकास के टिकाऊपन और पर्यावरण प्रदूषण से जुड़ी समस्याएं जन्म ले रही हैं। सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा में निवेश तो बढ़ा है फिर भी कच्चे तेल और कोयले के आयात के कारण आर्थिक दबाव बहुत ज़्यादा बना हुआ है। आज आवश्यकता है कि नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार हो और ऊर्जा का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाय। देश को अपने संसाधनों की खोज बढ़ानी होगी ताकि ऊर्जा की दृष्टि से आत्मनिर्भरता का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। बिजली के ट्रांसमिशन और वितरण के नेटवर्क को अविलंब सुधारना होगा ताकि ऊर्जा चोरी और दुरुपयोग की रोकथाम हो सके। विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक स्तर पर ऊर्जा समस्या अगले सौ वर्षों में मानवता की शीर्ष दस समस्याओं में से एक गंभीर समस्या बनेगी। वह मानवता के सम्मुख खड़ी समस्याओं में विकटतम हो रही है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि पिछले खाड़ी युद्धों और सद्यः चल रहे युद्ध की पृष्ठभूमि में ऊर्जा का प्रश्न भी मौजूद है। बढ़ती जनसंख्या से ऊर्जा की ज़रूरतें निरंतर बढ़ रही है। नवीकरणीय ऊर्जा समस्या से निपटने की एक अच्छी युक्ति है। सौर ऊर्जा मानव जाति की सभी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त भी है। इस विशाल ऊर्जा स्रोत का दोहन एक समाधान है। ऊर्जा संरक्षण के प्रश्न पर विचार करते हुए कम खर्चीले और प्रदूषणमुक्त ऊर्जा स्रोतों की खोज जारी है। हाइड्रोजन आधारित ऊर्जा के उपयोग की दिशा में प्रगति हुई है।

ऊर्जा संकट का एक व्यवहारिक पक्ष भी है। इस संकट का समाधान ऊर्जा-संरक्षण के लिए जरूरी अभ्यास की अपेक्षा करता है। आदतों में बदलाव द्वारा ऊर्जा के उपभोग में कमी लाकर ऊर्जा के दुरुपयोग को नियंत्रित और कम किया जा सकता है। इस दृष्टि से विभिन्न कार्यों के लिए कम ऊर्जा की खपत वाली ऊर्जा-सक्षम तकनीकों का अवलंबन भी कारगार साबित होगा। ऐसे कदम उठाने का पर्यावरणीय लाभ भी मिलेगा। ग्रीन हाउस गैस के उत्पादन पर नियंत्रण होगा और दूसरे प्रदूषकों, जो जलवायु-परिवर्तन को तीव्र करते हैं और प्राकृतिक आवास का क्षरण करते हैं उनसे रक्षा भी होगी। इससे घर या व्यापार हर क्षेत्र में खर्चे में कमी आएगी। ऊर्जा संरक्षण के लिए संसाधन-प्रबंधन की सख़्त ज़रूरत है। हमें वर्तमान ऊर्जा-संसाधनों का विस्तार करना होगा और ऊर्जा-सुरक्षा को सुनिश्चित करना होगा। इन सब उपायों से आयातित ऊर्जा पर हमारी निर्भरता घट सकेगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

'इतना काम करिये की काम भी आप का काम देखकर थक जाए।
-अज्ञात

निशाना

बिना जगह के ठस प्यारे..!

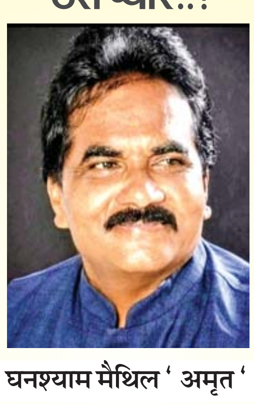

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

हो न टस से मस प्यारे,
बिना जगह के ठस प्यारे।
तेरे वारे न्यारे पक्के हैं,
आठ को बोल तू दस प्यारे।
निंदा कर तू आगे बढ़
यही है सच्चा रस प्यारे।
चिकनी चुपड़ी बातें कर,
दिल में सबके बस प्यारे।
सब काम तेरे हो जाएंगे,
दबा के रखना नस प्यारे।
सच से बना के दूरी रख,
झूठ पकड़ कर कस प्यारे।
फिक्र धुएं सी उड़ा दे तू,
लगा जोर का कश प्यारे।

हेल्थ अपडेट: एक्सपर्ट्स ने दिए टिप्स, खुद ही जान सकते हैं दिल की सेहत ठीक है या नहीं

दिल यानी हार्ट हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है, जो 24 घंटे पूरी बॉडी में ब्लड पंप करता रहता है। हालांकि जिस अंग ने आपको जिंदा रखने के लिए अपने ऊपर इतना लोड ले रखा है, उसे हेल्दी रखने के लिए आप क्या करते हैं? ऐसे कई लोग हैं जो दिल की सेहत सुधारने पर तो ध्यान नहीं देते लेकिन कई आदतों से उसे नुकसान जरूर पहुंचाते हैं। जिस वजह से आगे चलकर हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ जाता है और सडेन हार्ट अटैक या स्ट्रोक आता है। क्योंकि आपको पता ही नहीं रहता कि आपका दिल बीमार पड़ चुका है।वैसे आप आसान तरीकों से घर पर ही ये जान सकते हैं कि आपका दिल हेल्दी है या नहीं। इसके बारे में विशेषज्ञों ने तरीके बताए हैं।।

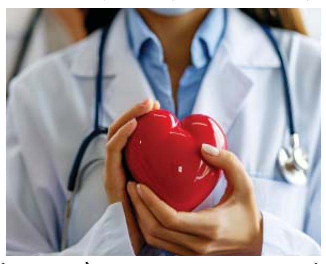

हार्ट डिजीज दुनिया भर में मौत की प्रमुख वजहों में से एक है, जिससे हर साल लाखों लोगों की जान चली जाती है, लेकिन इसके बावजूद भी लोग इसे लेकर पूरी तरह से जागरूक नहीं है। जबकि आप समय पर अपने हार्ट की कंडीशन जानकर रोगों के खतरे को कम कर सकते हैं और लाइफस्टाइल में कुछ जरूरी बदलाव करके हार्ट हेल्थ को बूस्ट कर सकते हैं और लंबा जीवन जी सकते हैं। ये कुछ तरीके हैं जिनके जरिए आप जान सकते हैं कि आपका हार्ट हेल्दी है या नहीं।

आप सीढ़ियां चढ़कर अपने हार्ट हेल्थ की जांच कर सकते हैं। मेदांता के मुताबिक , ऐसा कहा जाता है कि जिन लोगों का दिल स्वस्थ होता है उन्हें चार मंजिल की सीढ़ियां चढ़ने में डेढ़ मिनट से ज्यादा का समय नहीं लगना चाहिए। अगर आप बताई गई इस समय सीमा के अंदर सीढ़ियां चढ़ने में असमर्थ हैं तो हो सकता है कि आपका हार्ट हेल्थ ठीक नहीं है। ऐसे में आपको डॉक्टर से परामर्श लेना आवश्यक है।

हार्टबीट रेट या पल्स आपके हार्ट हेल्थ का एक महत्वपूर्ण संकेतक होती है। इसके जरिए आप जान सकते हैं कि आपका दिल ठीक से काम कर रहा है या नहीं। घर पर पल्स रेट जांचने के लिए, अपने राइट हैंड की मीडिल और इंडेक्स फिंगर को अपने लेफ्ट हैंड की आंतरिक कलाई पर रखना होगा। इसके बाद 10 सेकंड के लिए टैप्स या पल्स की संख्या गिनें और इसे 6 से मल्टीप्लाई कर दें। इससे आपकी एक मिनट की हृदय गति पता चल जाएगी। एक सामान्य पल्स रेट 60 से 100 बीट प्रति मिनट के बीच होती है। अगर आपकी हार्ट बीट रेट नियमित गिनती से ऊपर या नीचे है, तो आपको अपने डॉक्टर से परामर्श जरूर लेनी चाहिए।

रिसर्च - नॉलेज

मंगल पर पृथ्वी से तेज चलती है घड़ी, अंतरिक्ष मिशन के लिए चुनौती से कम नहीं

क्या आपको लगता है कि समय हर जगह एक जैसा चलता है। अगर हां, तो आप गलत हैं। मंगल गृह पर समय पृथ्वी की तुलना में थोड़ा तेज चलता है। यह सुनने में किसी साइंस फिक्शन फिल्म की कहानी जैसा लग सकता है। लेकिन यह सच है। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने दशकों पहले जो कहा था, वह आज फिर सही साबित हुआ है। नई रिसर्च के मुताबिक, लाल ग्रह पर घड़ियां पृथ्वी की घड़ियों से आगे निकल जाती हैं। यह अंतर भले ही बहुत छोटा हो, लेकिन भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के लिए यह बहुत बड़ी चुनौती है।

रिसर्चर्स ने पाया है कि मंगल पर घड़ियां हर 24 घंटे में पृथ्वी की तुलना में औसतन 0.477 मिलीसेकंड (477 माइक्रोसेकंड) तेज चलती हैं। यह एक सेकंड का हजारवां हिस्सा भी नहीं लेकिन विज्ञान की दुनिया में और खासकर स्पेस मिशन में यह अंतर बहुत मायने रखता है। नेविगेशन और कम्युनिकेशन के लिए समय का बिल्कुल सटीक होना जरूरी है। अगर यह छोटा सा अंतर सही नहीं किया गया तो अंतरिक्ष यात्रियों का रास्ता भटक सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह अंतर जानना इसलिए भी जरूरी है ताकि भविष्य में पूरे सौरमंडल में एक 'इंटरनेट' स्थापित किया जा सके। दरअसल इसका राज़ आइंस्टीन की 'जनरल रिलेटिविटी' की थ्योरी में छिपा है। आइंस्टीन ने बताया था कि समय गुरुत्वाकर्षण यानी ग्रेविटी पर निर्भर करता है। जहां गुरुत्वकर्षण ज्यादा होता है, वहां समय धीमा चलता है और जहां गुरुत्वाकर्षण कम होता है, वहां समय तेज भागता है।

जो लोग समुद्र तल पर रहते हैं, उनकी तुलना में पहाड़ की ऊंचाई पर रहने वाले लोगों के लिए समय थोड़ा तेज चलता है। क्योंकि ऊंचाई पर पृथ्वी की ग्रेविटी का असर थोड़ा कम हो जाता है। मंगल ग्रह का द्रव्यमान पृथ्वी से कम है इसलिए वहां का गुरुत्वाकर्षण भी कमजोर है। यही कारण है कि वहां समय की रफ्तार तेज है। सिर्फ मंगल ही नहीं, चांद पर भी समय का यह खेल चलता है। 2024 की एक स्टडी में पाया गया था कि चांद पर घड़ियां पृथ्वी से 56 माइक्रोसेकंड तेज चलती हैं लेकिन मंगल पर यह अंतर और भी ज्यादा है। कोलोराडो के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्टैंडर्ड्स एंड टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिक नील एशबी और बीजूनाथ पाटला ने इस पर विस्तार से रिसर्च की है।

हर 100 दिन में सेट करनी होगी घड़ी: इतनी गहरी रिसर्च के बावजूद वैज्ञानिक मानते हैं कि अभी भी कुछ कमियां हैं। उनकी गणना में अब भी हर दिन लगभग 100 नैनोसेकंड की गलती हो सकती है। यह बहुत ही सूक्ष्म अंतर है. लेकिन लंबे समय में यह बड़ा बन सकता है। इसका मतलब यह है कि अगर हम मंगल पर घड़ियां लगाते हैं, तो उन्हें हर 100 दिन में दोबारा सेट करना पड़ सकता है।

यूजर्स गाइड

आधार ऐप में आ गई एड्रेस बदलने की सुविधा, घर से ही कर सकेंगे अपडेट

IDAI की ओर से नए आधार ऐप के लिए बड़ा अपडेट पेश किया गया है। अब आप घर बैठे आधार ऐप के जरिए आधार पर मौजूद अपना पता बदल पाएंगे। इसके लिए आपको आधार सेंटर जाने की जरूरत भी नहीं रहेगी। चलिए इसके पूरे प्रोसेस को जानते हैं। इस ऐप का इस्तेमाल करके अपने मोबाइस नंबर के साथ-साथ पता भी अपडेट कर पाएंगे। हाल ही में इस ऐप में मोबाइल नंबर अपडेट करने का फीचर भी आया था। बता दें कि ऐप में पता अपडेट करने से जुड़ी जानकारी संस्था ने कुछ दिनों पहले ही अपने X अकाउंट पर दी थी।

अब आप अपने आधार ऐप को एक बार प्ले स्टोर या फिर ऐप स्टोप पर अपडेट करके पता अपडेट करने का ऑप्शन भी जोड़ पाएंगे। बता दें कि इस नए ऐप में नाम और ईमेल अपडेट करने का ऑपशन भी आने वाला है और इन पर फिलहाल काम चल रहा है। नए आधार ऐप में घर का पता बदलने का ऑप्शन भी जोड़ दिया गया है। इससे पहले मोबाइल नंबर अपडेट करने का ऑप्शन जोड़ा था। इसकी मदद से यूजर अपना आधार से लिंक मोबाइल नंबर खुद अपडेट कर सकते थे। अब इसी के साथ आधार कार्ड पर दर्ज घर का पता अपडेट करने से जुड़ा फीचर भी ऐप में शामिल कर दिया गया है।

अगर आप आधार ऐप का इस्तेमाल करते हुए आधार पर मौजूद पता बदलना चाहते हैं, तो सबसे पहले ऐप स्टोर या प्ले स्टोर पर जाकर अपना ऐप अपडेट कर लें। इसके बाद आपको ऐप की होम स्क्रीन पर नीचे से ऊपर की ओर स्वाइप करना होगा। थोड़ा नीचे स्क्रॉल करने पर आपको pdate My Aadhaar का ऑप्शन दिखाई देगा, इस पर टैप करें। अब आपको आधार में बदलाव करने से जुड़े कुछ ऑप्शन दिखाई देंगे। यहां आपको Address अपडेट को चुनना होगा। इसके बाद Using Your Documents के ऑप्शन को चुनें। इसके बाद आपको बताया जाएगा कि आधार में अपना पता बदलने के लिए आपको 75 रुपये खर्च करने पड़ेंगे और इसे पूरा होने में 30 दिन का समय लग सकता है। अपने नए पते की डिटेल्स भरें और फेस ऑथेंटिकेशन के बाद फीस भर दें। इसके बाद आपकी रिक्वेस्ट सबमिट हो जाएगी और अगले 30 दिनों में आधार पर आपका पता बदल दिया जाएगा।

इसके अलावा इस ऐप में कई ऐसे फीचर्स भी दिए गए हैं, जिनसे लोगों का उनके आधार और उससे जुड़ी जानकारी पर कंट्रोल बढ़ा है। इनमें बायोमेट्रिक अनलॉक, रीसेंट ट्रांजैक्शन, हिस्ट्री और आधार को अपडेट करने से जुड़े फीचर्स शामिल हैं। बता दें कि मोबाइल नंबर अपडेट और एड्रेस अपडेट के बाद इस ऐप में नाम अपडेट और ईमेल अपडेट का फीचर भी आने वाला है। इससे लोगों को अपने आधार में जरूरी बदलाव करने के लिए बार-बार आधार सेंटर नहीं जाना पड़ेगा।

रफ्तार का कहर... सीहोर में महिला एसआई ने थार से चार लोगों को रौंदा, दो गंभीर

हादसे में घायल चार में दो कंबल बेचने वाले और दो बाइक सवार, घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल किया गया रेफर

सीहोर। दोपहर मेट्रो

शहर में इंदौर-भोपाल हाईवे पर ग्राम बिलकिसगंज जोड़ के पास शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार थार वाहन ने चार लोगों को कुचल दिया। इनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। थार आष्टा थाने में पदस्थ महिला एसआई किरन राजपूत चला रही थीं। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल रेफर किया गया है। पुलिस ने मामले में आरोपित एसआई के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला एसआई लाल रंग की थार से आष्टा से भोपाल की ओर जा रही थीं। बिलकिसगंज चौराहे के पास अचानक वाहन से नियंत्रण खोने पर कार सीधे सड़क किनारे दुकान लगाकर कंबल बेच रहे लोगों में जा घुसी। इससे पहले कि वाहन रुकता, उसने सामने से आ रही बाइक को भी टक्कर मार दी। हादसे में वकील पिता गिरधारी उम्र 28, निवासी उज्जैन कंबल विक्रेता, लखन पिता मदन लाल उम्र 16, निवासी महिदपुर उज्जैन कंबल विक्रेता घायल हो गए। इसके अलावा रातीबड़ निवासी बाइक सवार हृदयेश व विजय भी घायल हुए हैं। दोनों सगे भाई हैं। पुलिस और राहगीरों की मदद से सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उन्हें भोपाल रेफर कर दिया गया।

पीड़ित की शिकायत पर प्रकरण दर्ज

कंबल बेचने वाले तूफान सिंह बंजारा ने थाना कोतवाली में घटना की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर पुलिस ने महिला एसआई के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। थाना कोतवाली टीआई रवीन्द्र यादव ने बताया कि कार चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

न्यूज विंडो

गले मिलते दिखे भाजपा-कांग्रेस के दो बड़े कट्टर विरोधी नेता

गुना। प्रदेश की राजनीति में धुर-विरोधी माने जाने वाले दो बड़े नेता अचानक एक मंच पर आमने-सामने आए और पुरानी राजनीतिक रंजिश को भुलाकर जिस गर्मजोशी से गले मिले, उसने सियासत में हलचल मचा दी है। यह मौका था शहर में आयोजित एक समारोह का, जहां पूर्व ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री और भाजपा नेता महेंद्र सिंह सिसौदिया और राघौगढ़ विधायक व कांग्रेस जिलाध्यक्ष जयवर्धन सिंह का आमना-सामना हो गया। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन सिंह और महेंद्र सिंह सिसौदिया के बीच राजनीतिक बयानबाजी अक्सर तीखी रहती है। हालांकि गत दिनों दोनों नेताओं ने अपनी अदावत को किनारे रखा और आपस में न सिर्फ गर्मजोशी से गले मिले, बल्कि हल्की-फुल्की बातचीत और मजाक भी करते रहे।

रामलीला मेले की तैयारियां और आगामी कार्यक्रमों पर की चर्चा

गंजबासौदा। प्रतिवर्ष लगने वाले रामलीला मेले की तैयारियों के सम्बंध में नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव, सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव ने मेला अध्यक्ष पार्षद भारती सरदार अहिरवार एवं सभी सहयोगी सदस्यों पार्षद सौदान सिंह यादव, मूलचंद अहिरवार नारायण सोनी, संजय भावसार,, नीलू चौबे,अंशलेखा रोहित भावसार, सुनील साहू, धर्मेंद्र कुशवाहा, शुभम रघुवंशी के साथ परिषद की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें रामलीला मेले की तैयारियों और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई।

रिजवाना ने प्रेमी के लिए रखा व्रत, परिवार से बगावत कर इस्लाम छोड़ा

खंडवा। कहते हैं इश्क में लोग सरहदें पार कर जाते हैं, लेकिन जब प्रेम गहरा हो जाए तो मजहब की दीवारें भी टूट जाती हैं। ऐसा ही नजारा शुक्रवार को खंडवा जिले के महादेवगढ़ मंदिर में देखने को मिला। यहां हरदा जिले की रहने वाली रिजवाना ने अपने प्रेमी अतुल के साथ सात फेरे लेते हुए नया जीवन शुरू किया। सामाजिक बंधनों, मजहबी रीतियों और पारिवारिक विरोध के बावजूद दोनों ने एक-दूसरे का साथ निभाने का संकल्प लिया। रिजवाना और अतुल की प्रेम कहानी कोई आज की नहीं, बल्कि बचपन का पनपा हुआ प्यार है। उम्र में एक साल बड़ी होने के बावजूद दोनों के बीच प्रेम का रिश्ता वर्षों से मजबूत होता गया। लेकिन युवती के परिवार को यह रिश्ता मंजूर नहीं था। लगातार विरोध और दबाव के बीच रिजवाना ने अपने जीवन का फैसला खुद लेने का साहस जुटाया। धर्म परिवर्तन के पीछे युवती का स्पष्ट कहना था कि वह पिछले काफी समय से सनातन धर्म की रीति परंपराओं को समझ रही थी और उन्हें महसूस कर रही थी। उसने इस्लाम धर्म का त्याग कर सनातन को स्वीकार करने का निर्णय अपने मन और विश्वास से लिया। धर्म परिवर्तन से पहले अपनी आस्था को मजबूत करने के लिए नियमित रूप से पूजन-अर्चना भी की। पिछले 6 महीनों में 16 सोमवार के व्रत रखे। हरदा जिले के कई मंदिरों में जाकर भगवान शिव से आशीर्वाद लिया।

नर्मदापुरम में रात्रि विश्राम के लिए बनाए गए रैन बसेरों में मनमानी

मुफ्त के रैन बसेरों में यात्रियों से अवैध वसूली, मुसाफिरों को नहीं मिल रही राहत

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कडकड़ाती सर्दी में मुफ्त में रात्रि विश्राम के लिए बनाए गए रेन बसेरों में मनमानी की जा रही है। प्रशासन ने रेन बसेरों में कंबल, गद्दे, चादर का भरपूर स्टॉक रखा है। इसके बाद भी सर्द रात काटने वाले मुसाफिरों को राहत नहीं मिल रही है। कहीं यात्रियों से किराया वसूल किया जा रहा है। कहीं गददे देकर चादर नहीं दिए जा रहे हैं। पत्रिका ने गुरुवार रात को सेठानी घाट, बस स्टैंड और जिला अस्पताल के रेन बसेरा का हाल देखा तो लापरवाही उजागर हो गई।

बस स्टैंड के 25 पलंग के रेन बसेरा में रात 9.23 बजे तक 12 यात्रियों ने रात बिताने के लिए पंजीयन कराया है। इसमें पलंग पर सोने वाले यात्रियों को चादरें मिल गई लेकिन जमीन पर गद्दे पर सो रहे यात्रियों को चादरे नहीं दी गई। रेन बसेरा में उत्तर प्रदेश के नारूपुरा के यात्री फेजल खान, दानिशा खान मिले। इन्होंने बताया कि रात रुकने के लिए दो लोगों का 70 रुपए लिया गया हैं। जब इस मामले मे रिपोर्टर ने केयर टेकर से सवाल किया तो उसका कहना था कि दोनों यात्रियों की बाइक पार्क की है। इनके पास सामान भी है। इसलिए सुरक्षा के लिए पैसे लिए हैं।

जिला अस्पताल परिसर में स्थित रेन बसेरा में मरीजों के परिजनों के सोने के लिए सीमेंट का चबूतरा बना हुआ है। इस पर गद्दा बिछाकर लोगों को सुलाया जाता है। बताया जाता है कि यहां गद्दे, चादरों की कमी है। इसकी डिमांड भेजी गई है।

श्रद्धालुओं के लिए आधी-अधूरी व्यवस्था

सेठानी घाट पर स्थित रेन बसेरा नर्मदा परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण हैं। यहां रात लगभग 8.30 बजे 55 से अधिक परिक्रमावासी मौजूद थे। रेन बसेरे के हाल में भजन पूजन का कार्यक्रम चल रहा था। यहां अधिकतर परिक्रमावासियों के गद्दों पर चादर नहीं थे। कुछ परिक्रमावासियों ने गददों पर चादर के रूप में प्लास्टिक बिछाया हुआ था। केयर टेकर अजय ने बताया कि परिक्रमावासी स्वयं के कंबल में ही गुजारा करते हैं। रैन बसेरा का कंबल लेने में मना कर देते हैं। सभी को गद्दे दे दिए गए हैं।

प्रभारी मंत्री का नर्मदापुरम में दौरा, करेंगे भूमिपूजन

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह आज रात 8 बजे नर्मदापुरम पहुंचेंगे। वे सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। कल 14 दिसंबर को वे कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे।प्रातः 11 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक लेंगे। इसके बाद 11:45 बजे नर्मदा जयंती से जुड़ी बैठक करेंगे। दोपहर 12:30 से 1:15 तक जनसुनवाई कक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस संबोधित करेंगे।दोपहर 1:30 बजे जनपद पंचायत कार्यालय परिसर में लोक निर्माण विभाग की सड़कों का भूमिपूजन करेंगे। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटियों को राशि वितरित करेंगे। दोपहर 2:30 बजे इटारसी रवाना होकर 2:50 बजे वहां नवनिर्मित विश्रामगृह का लोकार्पण करेंगे।3:30 बजे इटारसी से सिवनी मालवा के ग्राम चौथलाय के लिए प्रस्थान करेंगे। शाम 4:10 बजे वहां भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे और 5 बजे जबलपुर के लिए रवाना हो जाएंगे।

खुलासा: गर्भ में मृत बच्चे का इलाज करती रही डॉक्टर

उज्जैन। एक महिला डॉक्टर पर जच्चा बच्चा का गलत इलाज करने का आरोप लग रहा है। सोनोग्राफी रिपोर्ट में स्पष्ट लिखा था कि बच्चे की धड़कन बंद है, बावजूद इसके महिला डॉक्टर द्वारा इलाज जारी रखा गया। 14 दिन की दवाइयां लिखी गई और बच्चे को पूरी तरह स्वस्थ बताया । इस दौरान इंफेक्शन फैलने से गर्भवती महिला की तबीयत बिगड़ी तो परिजनों आनन-फानन में दूसरे डॉक्टर को दिखाया, तब बच्चे की मौत का खुलासा हुआ। उज्जैन से 12 किलोमीटर दूर दताना गांव की रहने वाले साहिल पटेल की पत्नी मुस्कान गर्भवती थी। गर्भवस्था के शुरुआती दिनों से ही डॉ रुपाली महेश्वरी का इलाज चल रहा था। जब गर्भावस्था के 6 माह हुए तो डॉ रुपाली ने मुस्कान की सोनोग्राफी करवाई, जिसे देखकर कहा कि जच्चा और बच्चा दोनों अच्छे हैं।

93 फीसदी अंकों की मार्कशीट लेकर आई महिला, नहीं पढ़ पाई हिंदी, 70 पद होल्ड

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

विभिन्न राज्यों से फर्जी अंकसूची बनवाने वाले रैकेट का खुलासा जिले की आंगनबाड़ी भर्ती में हुआ है। कार्यकर्ता और सहायिका के पदों के लिए 70 आवेदकों ने मध्यप्रदेश बोर्ड के बजाय उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान के बोर्ड की अंकसूचियां लगाईं। अब इनके पद होल्ड किए गए हैं। अंकसूचियां भले ही संबंधित वेबसाइटों पर दिख रही थीं, पर बनावट, भाषा और फॉर्मेट संदिग्ध था। ये बोर्ड, माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी 216 वैध बोर्ड की सूची में भी नहीं हैं। विभाग का दावा है कि समय रहते धांधली का खुलासा कर लिया गया।

जिले में फर्जी अंकसूची बनाने वाला गिरोह सक्रिय है। यह गिरोह 40-50 हजार रुपए लेकर 10वीं, 12वीं की फर्जी अंकसूची तैयार कर देता है। बीते वर्षों की भर्तियों में भी ऐसे मामले सामने आ चुके हैं। राजगढ़ के कम्प्यूटर सेंटर संचालक भाई कुणाल और राजू मेवाड़े पर एफआइआर दर्ज है। कोतवाली और खिलचीपुर थानों में भी प्रकरण दर्ज हैं, लेकिन पुलिस अब तक आरोपियों को पकड़ नहीं पाई है।

12वीं में कौन से विषय थे नहीं बता पाई महिला

आपत्ति समिति के सामने कई ऐसे मामले आए, जिन्होंने फर्जीवाड़े की पुष्टि कर दी। एक महिला 93 प्रतिशत अंकों की अंकसूची लेकर आई। वह नहीं बता सकी कि 12वीं में विषय कौन-कौन से थे। कई महिलाएं साधारण हिन्दी वाक्य तक नहीं पढ़ सकीं।

अब मेरिट को मिलेगा अवसर

महिला एवं बाल विकास विभाग के अनुसार जिनकी अंकसूचियां संदिग्ध या अमान्य मिलीं, उनके आवेदन रद्द कर मेरिट सूची में दूसरे, तीसरे स्थान पर रहीं महिलाओं को नियुक्ति में प्राथमिकता दी जा रही है। विभाग ने अभ्यर्थियों को विकल्प दिया है कि वे जिला स्तरीय आपत्ति समिति, उसके बाद एडीएम कोर्ट में अपील कर सकते हैं।

दलित के घर खाने का बहिष्कार, पंचायत ने गंगा स्नान व शुद्धिकरण का सुनाया फरमान

रायसेन। दोपहर मेट्रो

जिले के एक गांव पिपरिया पुआरिया में दलित परिवार के घर खाना खाने के कारण एक व्यक्ति और उसके परिवार को सामाजिक बहिष्कार और छुआछूत का सामना करना पड़ रहा है। आरएसएस कार्यकर्ता भारत राज धाकड़ ने जिला कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के समक्ष एक सार्वजनिक सुनवाई में इस मामले को उठाया। धाकड़ ने बताया कि उन्होंने और उनके दो साथियों, मनोज पटेल और शिक्षक सत्येंद्र रघुवंशी ने दलित परिवार के सदस्य संतोष पारोले के घर श्राद्ध समारोह में भोजन किया था। इस भोजन का एक वीडियो वायरल होने के बाद, गांव के कुछ लोगों ने इसका विरोध किया।

दलित के घर खाने पर आरएसएस कार्यकर्ता का सामाजिक बहिष्कार

गांव की पंचायत, जिसका नेतृत्व सरपंच भगवान सिंह पटेल ने किया और जिसमें बलराम पटेल, नागेंद्र पटेल, निरंजन पटेल, जवाहर पटेल, लखन धाकड़, लक्ष्मण दास, रामसेवक शर्मा, जसमान सिंह और उपसरपंच चंद्र प्रकाश जैसे गांव के प्रभावशाली लोग भी शामिल थे। इस पंचायत ने एक फरमान जारी किया। पंचायत ने कथित तौर पर कहा कि वाल्मीकि (दलित) परिवार के घर खाना खाना एक पाप है। पंचायत ने तीनों पुरुषों से शुद्धि की मांग की, जिसमें गंगा में स्नान करना और उनके अपराध के प्रायश्चित के लिए एक सामुदायिक दावत का आयोजन करना शामिल था।

मेट्रो एंकर

विदिशा जिले के उदयपुर में 14 दिसंबर को होगा भव्य हिंदू सम्मेलन

घर-घर आमंत्रण-हिंदू एकता और समरसता के संगम को सफल बनाएं

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

सनातन संस्कृति की ध्वजा एक बार फिर नीलकंठेश्वर की पावन भूमि उदयपुर में फहरने को तैयार है। 14 दिसंबर आयोजित होने जा रहा भव्य हिंदू सम्मेलन नगर और गांव दोनों में अभूतपूर्व उत्साह का केंद्र बन गया है। कार्यकर्ता घर-घर, दुकान-दुकान पहुंचकर विनम्र भाव से आमंत्रण दे रहे हैं। कार्यकर्ताओं द्वारा किया जा रहा संपर्क और द्वार पर मिलने वाला पत्रक सिर्फ सूचना नहीं, बल्कि समरस समाज के निर्माण का संदेश बन गया है। सम्मेलन में रामानंदाचार्य परंपरा के जगदगुरु डॉ. राम कमलाचार्य वेदांती जी के संबोधन के अलावा देशभक्ति से जोधपुर सांस्कृतिक कार्यक्रम और भव्य कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया है।

नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में सम्मेलन को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। घर-घर आमंत्रण पहुँचने से हर वर्ग में सहभागिता की भावना बढ़ी है। आयोजन समिति ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे इस भव्य सम्मेलन में उपस्थित होकर हिंदू एकता और समरसता के इस संगम को सफल बनाएं। मालूम हो कि संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में भगवान नीलकंठेश्वर की नगरी उदयपुर में आगामी 14 दिसंबर, रविवार को आयोजित होने जा रहा भव्य हिंदू सम्मेलन पूरे क्षेत्र में उत्साह और आध्यात्मिक उमंग का केंद्र बना हुआ है। सम्मेलन से पूर्व कई गांवों में कलश यात्रा, भूमि पूजन और ध्वज पूजन जैसे धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए जा चुके हैं। इन आयोजनों में बड़ी संख्या में संतो के अलावा, महिला-पुरुष, युवा और ग्रामीण शामिल हुए, जिससे गांव-गांव में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक ऊर्जा का वातावरण निर्मित हो गया है। सम्मेलन को लेकर नगर, कस्बों और गांवों में तैयारियाँ तेजी से पूर्ण हो रही हैं। कार्यकर्ता घर-घर, दुकान-दुकान जाकर पत्रक वितरण कर रहे हैं, जिससे हर वर्ग में सम्मेलन को लेकर हर्ष की लहर है। समारोह से पूर्व उदयपुर में एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई नीलकंठ मंदिर परिसर पहुँचेगी। यात्रा में भगवा ध्वज, विभिन्न झांकियाँ, साधु-संतों की उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। सम्मेलन में रामानंदाचार्य पीठाधीश्वर जगतगुरु डॉ. राम कमलाचार्य वेदांती जी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। वे हिंदू एकता, संस्कृतिजन्य गौरव और सामाजिक समरसता पर अपना अमृतमय संदेश प्रदान करेंगे। दोपहर 12 बजे से काव्य पाठ कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें कवि राष्ट्रभक्ति, ओज और भक्ति रस से परिपूर्ण रचनाएँ प्रस्तुत करेंगे।

न्यूज विंडो

छेड़छाड़ के मामले ने तूल पकड़ा आज कलेक्टर से मिलेंगे छात्र

रतलाम। रतलाम के डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडेय शासकीय मेडिकल कॉलेज में छात्राओं के साथ छेड़छाड़ के मामले में पुलिस के हाथ अब भी खाली हैं। छात्रों द्वारा दिया गया 24 घंटे का अल्टीमेटम शुक्रवार शाम को बीत गया, लेकिन आरोपी का कोई सुराग नहीं लगा। इसके विरोध में अब इंटर्न डॉक्टर आज सुबह से अपना काम बंद रखेंगे। मेडिकल स्टूडेंट्स भी क्लास में नहीं जाएंगे। आक्रोशित छात्र आज कलेक्टर से मिलने पहुंचेंगे।

35 करोड़ से बनेगी मॉडर्न सड़क शहर को फोरलेन से जोड़ेगी

हरदा। इंदौर, भोपाल की तर्ज पर हरदा शहर में भी केंद्रीय सहायता विशेष योजना अंतर्गत करोड़ों की लागत से उत्कृष्ट मॉडर्न रोड का निर्माण नगर पालिका द्वारा किया जाएगा। इसमें जहां वाहन चालकों को आने-जाने के लिए डिवाइडर वाली सड़क बनाई जाएगी। वहीं, पैदल रहने वाले लोगों के लिए भी सड़क के दोनों ओर फुटपाथ बनाया जाएगा। साथ ही सड़क के सौदर्याकरण के लिए सात चौराहे बनेंगे सरकार से इस मॉडर्न रोड को बनाने की मंजूरी मिल गई है। आने वाले दिनों में जल्द ही इसका काम शुरू होगा। जानकारी के अनुसार प्रताप टॉकीज के पास स्थित परशुराम चौक से लेकर हरदाखुर्द फोरलेन मार्ग 3.75 किमी में लगभग 35 करोड़ की लागत से उत्कृष्ट टू लेन रोड का निर्माण होगा। यह सड़क आवागमन के लिए सबसे बेहतर व्यवस्थित सड़क रहेगी। सड़क के बीच में डिवाइडर बनेगा। जिसके अंदर लाइटिंग और हरियाली के लिए पौधे लगाए जाएंगे, ताकि सड़क की सुंदरता भी बनी रहे।

नई दुल्हन ने खिलाए भजिए तो सब सो गए, गहने लेकर हुई फरार

मंदसौर। जिले के नंदवेल गांव में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक परिवार के नौ सदस्य उस वक्त बीमार पड़ गए जब उन्होंने नई बहू द्वारा बनाए गए स्नैक्स खाए। यह नई बहू शादी के महज़ 20 दिन पहले ही घर आई थी। इस घटना के बाद, महिला कथित तौर पर लाखों रुपये के कैश और गहने लेकर फरार हो गई। परिवार के अनुसार, शादी 20 नवंबर को हुई थी। दूल्हे के परिवार ने एक बिचौलिए के ज़रिए यह रिश्ता तय किया था। दुल्हन की पहचान ज्योति के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के वाराणसी की रहने वाली है। उसे शादी के बाद मंदसौर लाया गया। शादी का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया था और परिवार का कहना है कि उन्होंने शादी की तैयारियों पर करीब 2.5 लाख रुपये खर्च किए थे। रिश्तेदारों ने बताया कि शुरुआत में ज्योति काफी संस्कारी और मिलनसार लगी। परिजनों ने बताया कि उसने धीरे-धीरे घर के सभी सदस्यों का विश्वास जीत लिया, जिसमें उसका पति, सास-ससुर और अन्य रिश्तेदार शामिल थे। लेकिन सुबह अचानक सब कुछ बदल गया। परिवार के नौ सदस्य उसके बनाए स्नैक्स खाने के बाद बेहोश होने लगे। इस मौके का फायदा उठाकर, महिला ने कथित तौर पर घर से नकदी, सोने-चांदी के गहने और अन्य कीमती सामान इकट्ठा किया और भाग गई।

स्कूल में सुसाइड, क्लास में लाश मिलने से मचा हड़कंप

चपरासी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, स्कूल में चल रहा था पुताई का काम

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

जिले के नौगांव में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गुरूवार की रात एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां विद्यालय के चपरासी ने स्कूल कैंपस के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शुक्रवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही स्कूल प्रबंधन और क्षेत्र में हड़कंप मच गया। शुक्रवार सुबह लगभग 9 बजे कुछ लोग स्कूल में पहुंचे, जहां इन दिनों कमरों की पुताई का कार्य चल रहा है। जिन्होंने सबसे पहले शव को देखा। पुताई करने के लिए स्कूल पहुंचे लोगों ने जैसे ही क्लास का गेट खोला तो कमरे में फांसी पर लटकी लाश देख उनके रोंगटे खड़े हो गए। तुरंत स्कूल प्रबंधन को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे कर्मचारियों ने मृतक की पहचान चपरासी गुलाब सेन (58 वर्ष) के रूप में की। गुलाब सेन गुरूवार रात लगभग 8 बजे नियमित नाइट ड्यूटी के लिए स्कूल पहुंचे थे। इसके बाद रात करीब 9:20 बजे उन्होंने स्कूल के ही एक कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पूरा घटनाक्रम विद्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया है। घटना की जानकारी मिलते ही परिवारजन और स्कूल प्रबंधन में शोक की लहर फैल गई।

आत्महत्या के कारणों का नहीं हुआ खुलासा

पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को नीचे उतरवाया और मामले की विवेचना शुरू की। गुलाब सेन ने आत्महत्या क्यों की इसका अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सहित अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्कूल में लंबे समय से कार्यरत रहे गुलाब सेन के इस कदम से सहकर्मियों और स्थानीय लोगों में दुख का माहौल है और हर कोई घटना से हैरान है।

बुंदेली धरती का हिंडोला नाटक का नगर में मंचन आज और कल

लाभ से आर्थिक पक्ष ठीक हो सकता है लेकिन अब मनह स्थिति बदलने की जरूरत: नामदेव

शशिकांत टिमोले। दोपहर मेट्रो

सागर। महिलाओं के प्रति पुरषों की मानसिकता को बदलने जरूरत है. एक तरह से महिलाओं ने भी घरेलु हिंसा को स्वीकार कर महिलाओं ने भी अपना प्रारब्ध तक़रीबन मान लिया है. खासतौर पर बुंदेलखंड में स्थिति भयानक है। महिलाओं को जीवन स्तर सुधारने के लिए दी जाने वाली योजनाओं के लाभ से उनका आर्थिक पक्ष तो ठीक हो सकता है लेकिन अब पुरुष और महिलाओं की मनह स्थिति बदलने पर जोर दिया जाना चाहिये। बुंदेली धरती का हिंडोला नाटक बुंदेलखंड अंचल में महिलाओं की स्थिति पर केंद्रित है। नाटक के लेखक मशहूर सिने अभिनेता और रंगकर्मी गोविंद नामदेव ने दोपहर मेट्रो से बातचीत कर नाटक सहित रंगकर्म ,थिएटर सामाजिक सरोकार व सरकारों की सहभागिता जैसे मुद्दों पर चर्चा की।

रंग थिएटर फोरम, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय नई दिल्ली और संस्कृति संचालनालय मध्यप्रदेश के संयुक्त रूप से रंगकर्मी गोविंद नामदेव दारा निर्देशित नाटक बुंदेली धरती का हिंडोला का मंचन 13 और 14 दिसंबर 2025 को रविन्द्र भवन सभागार सागर में किया जा रहा है। सागर में 35 दिन की कार्यशाला के बाद नाटक मंचन के लिए तैयार है। रंगकर्मी गोविंद नामदेव ने बताया कि वर्कशॉप आयोजित की गई थी जिसमें पूरी तैयारी की गई। मंचन शनिवार शाम 6:30 बजे तथा रविवार को दो शो दोपहर 3:30 बजे और शाम 6:30 बजे होगा। नाटक में सागर और बाहर के करीब 35 चयनित कलाकार भाग ले रहे हैं।

महिलाओं के साथ घरेलू हिंसा पर केंद्रित है नाटक

फिल्म और रंगकर्म की दुनिया में 50 वर्ष पूरे कर चुके अभिनेता गोविंद नामदेव बताते हैं कि बुंदेली धरती का हिंडोला नाटक महिलाओं के साथ घरेलू हिंसा पर केंद्रित है। खासतौर से बुंदेलखंड अंचल की महिलाओं को लेकर। उन्होंने कहा कि पूरे देश में घरेलू हिंसा में मध्यप्रदेश आगे है और बुंदेलखंड अंचल ज्यादा प्रभावित है। उन्होंने बताया कि अपने आसपास के हालातों को देखकर इस नाटक को लिखने की प्रेरणा मिली। करीब छह महीने में इसका लेखन हुआ। अब यह नाटक मंचन के लिए तैयार है। इस नाटक में दिखाया है कि हालात कैसे है और हमें क्या करना चाहिए। अफसोस जाहिर करने की बजाय जिम्मेदारी निभाने का भाव होना चाहिए। यही संदेश नाटक का है। नाटक में बुंदेली लोककला ढिमरयाई और आल्हा शैली का इस्तेमाल किया है।

जल्द ही साउथ की फ़िल्मों में दिखेंगे नामदेव

सिने कलाकार गोविंद नामदेव आने वाली फिल्मों में कई नए किरदारो में दिखेंगे। साऊथ में निर्मित कई फिल्म रिलीज होने वाली है। उन्होंने बताया कि सागर में नाटक के मंचन के लिए परिपूर्ण थिएटर नहीं है बस रवीन्द्र भवन से काम चल रहा है। इस दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। सागर विधायक शैलेंद्र जैन काम कर रहे हैं उनसे चर्चा भी हुई है। नगर निगम ने जो पद्माकर सभागार बनाया है वह कमोवेश अच्छा है लेकिन किराया महंगा है।

न्यू जोन इंडिया की परियोजना

पीड़ित ग्रामीण बोले– मुआवजा अधूरा, रोजगार की गारंटी नहीं

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जहां एक ओर ग्राम रक्सा-कोलमी में न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 1320 मेगावाट की थर्मल पावर परियोजना का विधिवत पूजन-अर्चन के साथ शुभारंभ किया गया, वहीं दूसरी ओर कुछ ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इसे एकतरफा निर्णय और दिखावटी सहभागिता करार देते हुए विरोध दर्ज किया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि असली मुद्दों पर चुप्पी साधे रखी जा रही है। कई ऐसे पात्र हितग्राही हैं जिन्हें अभी तक मुआवज़ा नहीं मिला या उनकी फाइलें केवल दस्तावेज़ी 'प्रक्रिया में' बताकर टाल दी जा रही हैं। ग्राम कोलमी निवासी का कहना है, 'हमें बिना उचित सूचना के भूमि अधिग्रहण में शामिल कर लिया गया। आज तक हमें न नौकरी मिली, न स्थायी मुआवजा।'

वातावरण प्रेमियों और स्थानीय जन संगठनों ने चिंता जताई है कि इतनी बड़ी थर्मल परियोजना से क्षेत्र के जंगल, जल स्रोत और खेती योग्य ज़मीन पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। परियोजना के शुरू होने से पहले ही कई जलस्रोत सूखने लगे हैं और वायु प्रदूषण की आशंका बढ़ गई है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि धार्मिक स्थलों पर पूजा कर और रंगोली-जयघोष से इसे 'जन-उत्सव' का रूप देने की कोशिश मात्र एक कंपनी की ब्रांडिंग रणनीति है। ग्राम रक्सा के ही कुछ बुजुर्गों का सवाल है 'अगर हमारी आस्था का इतना सम्मान है, तो पहले हमारे देवी-देवताओं के मंदिर को संरक्षित किया जाए, सिर्फ घोषणा क्यों।किसी भी परियोजना में लगने वाली राशि का 10% जनकल्याण के लिए खर्च किया जाता है किंतु न्यू जोन ने लगभग 50-60 लोगों को गर्म कंबल बताकर गरीब किसानों की आवाज दबाने का प्रयास कर रहे जिससे वह रोजगार न मांग सके। परियोजना से जुड़े लोगों का दावा है कि स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा, लेकिन इसके कोई ठोस दस्तावेजी प्रमाण नहीं दिए गए हैं। कुछ युवाओं का आरोप है कि अब तक केवल बाहर से आए लोगों को रखा जा रहा है। जहां एक ओर न्यू जोन इंडिया थर्मल पावर परियोजना को विकास का प्रतीक बताया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर यह सवाल उठना लाज़िमी है कि क्या यह विकास सबका है, या सिर्फ कुछ लोगों के लिए?यदि कंपनी और प्रशासन इन सवालों को नजरअंदाज़ करता रहा।

किसान जलभराव की समस्या को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

नरसिंहपुर के कौड़िया गांव में किसान जलभराव की समस्या और प्रशासन की उदासीनता के विरोध में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। किसान स्थायी जल निकासी समाधान की मांग कर रहे हैं और प्रशासन पर उनकी समस्याओं को अनदेखा करने का आरोप लगा रहे हैं। किसानों ने बताया कि चिरहकलां और ककराघाट के बीच स्थित शासकीय पुलिया को कुछ लोगों ने अवरुद्ध कर दिया है। इससे कौड़िया और विरहखुर्द गांवों के किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया है कि अवैध रुकावट हटाई जाए और पानी की पुरानी व्यवस्था बहाल की जाए।भूख हड़ताल पर बैठे किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने तुरंत स्थायी समाधान नहीं किया, तो उनका आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है।

जब बेटी के लिए मां बनी शेरनी! सियार के जबड़े से छुड़ा लाई तीन माह की बच्ची

पन्ना। दोपहर मेट्रो

कहते हैं मां के सामने कोई ताकत नहीं टिकती। पन्ना जिले के घाट सिमरिया गांव में यह बात एक बार फिर सच साबित हुई, जब एक मां अपनी तीन महीने की मासूम बच्ची को बचाने के लिए जंगली सियार से भिड़ गई। यह घटना सुनने में जितनी डरावनी है, उतनी ही साहस और ममता से भरी हुई भी।

घटना उस वक्त की है जब गांव में रोज़ की तरह शांत माहौल था। घर के बाहर आंगन में तीन माह की ब'ची सो रही थी। मां पास ही चूल्हे पर खाना बना रही थी। तभी अचानक झाड़ियों की ओर से एक जंगली सियार दबे पांव आया और सो रही ब'ची पर झपट पड़ा। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, सियार ने बच्ची को अपने जबड़े में दबोच लिया। बच्ची की तेज चीख सुनते ही मां के हाथ से सब कुछ छूट गया। वह बिना कुछ सोचे-समझे दौड़ती हुई बाहर आई।

सामने का मंजर देखकर किसी का भी कलेजा कांप जाए, लेकिन मां ने डर को खुद से दूर फेंक दिया। उसने पास पड़े बर्तन उठाए और पूरी ताकत से सियार पर दे मारे। वह चीखती-चिल्लाती रही, सियार से भिड़ती रही। कुछ पल तक सियार और मां के बीच संघर्ष चलता रहा। आखिरकार मां की हिम्मत के आगे सियार टिक नहीं पाया और ब'ची को छोड़कर भाग खड़ा हुआ। लेकिन इस हमले में मासूम ब'ची बुरी तरह जख्मी हो चुकी थी। उसके सिर और आंख के पास गहरी चोटें आई हैं। परिजन घबराए हुए ब'ची को तुरंत गुनोर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज किया। हालत नाजुक देखते हुए ब'ची को जिला अस्पताल पन्ना रेफर कर दिया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

बच्ची के पिता वासिद खान बताते हैं कि अगर मां समय पर बाहर न आती, तो शायद आज कुछ और ही हो जाता। गांव वालों का कहना है कि हाल के दिनों में इलाके में जंगली जानवरों की आवाजाही बढ़ गई है। खासकर रात और सुबह के समय सियार और अन्य जानवर गांव के पास देखे जा रहे हैं, जिससे लोग दहशत में हैं। इस घटना के बाद पूरे गांव में डर का माहौल है। लोग अपने छोटे ब'चों को बाहर सुलाने से डरने लगे हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि इलाके में गश्त बढ़ाई जाए।

मेट्रो एंकर

कार सवार दबंगों ने फिल्मी स्टाइल में दिया वारदात को अंजाम

बस के ड्राइवर को खींचा, यात्रियों के सामने पीटा फिर उठा ले गए

सतना। दोपहर मेट्रो

जिले के जसो थाना क्षेत्र में ऐसी वारदात हुई, जिसने बस में सवार 50 यात्रियों की सांसे थाम दीं। मामूली सी टक्कर के बाद कार सवार दबंगों ने फिल्मी स्टाइल में एक यात्री बस का 4 किलोमीटर तक पीछा किया, उसे ओवरटेक कर रोका और ड्राइवर को बस से नीचे घसीटकर यात्रियों के सामने बेरहमी से पीटा। हद तो तब हो गई जब वे ड्राइवर को अपनी कार में अगवा कर ले गए। गनीमत रही कि पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ ही घंटों में ड्राइवर को सकुशल मुक्त करा लिया।

पुलिस के मुताबिक, नफीस ट्रेवल्स की बस क्रमांक एमपी 19 पी 1285

गुरुवार को सीधी से लगभग 50 यात्रियों को लेकर गुजरात के सूरत जा रही थी। रात करीब 10 बजे बस जसो थाना क्षेत्र के शहपुर के पास पहुंची थी। तभी आगे चल रही एक कार से बस का मामूली सा स्पर्श हो गया। टक्कर लगते ही कार सवार आगबबूला हो गए। विवाद के डर से बस ड्राइवर राजकुमार साकेत ने गाड़ी नहीं रोकी और रफ्तार बढ़ा दी। इसके बाद कार सवारों ने बस का पीछा करना शुरू किया। करीब 4 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद उन्होंने बस को ओवरटेक कर जबरन रुकवा लिया। कार से उतरे दबंगों ने ड्राइवर राजकुमार को कॉलर पकड़कर नीचे उतारा और महिलाओं व बच्चों के सामने ही उसकी लात-घूंसों से पिटाई शुरू कर दी। यात्री चीखते रहे, लेकिन आरोपी उसे पीटते हुए अपनी कार में डालकर किडनैप कर ले गए। सुनसान सड़क पर बस में बैठे यात्री दहशत में आ गए।

दबंगों के घर पुलिस ने दी दबिश

इस अफरा-तफरी के बीच एक जागरूक यात्री ने तुरंत पुलिस को डायल 112 पर सूचना दी। अपहरण की खबर मिलते ही जसो पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस ने कार नंबर को ट्रैक किया तो पता चला कि कार के राजभान सिंह की है। जसो थाना प्रभारी ब्रजभान सिंह ने बताया की घटना की सूचना मिली थी, जिस पर बिना वक्त गंवाए जसो पुलिस ने राजभान सिंह के गांव में दबिश दी और उसके घर पर छापा मारा। पुलिस ने वहां से अपहृत बस ड्राइवर राजकुमार साकेत को छुड़ा लिया। मौके से कार मालिक राजभान सिंह और उसके साथियों को हिरासत में ले लिया गया है।

पश्चिम मध्य रेल
ई-निविदा सूचना
खुली निविदा क्रमांक: CRWS-BPL-ENGG-2025-26-04
भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा अनुभवी ठेकेदारों/फ़र्म से आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम: भोपाल ~~ अपग्रेडेसन/डेव्लपमेंट ऑफ मेंटेनेन्स फेसीलिटीस फोर ऐनएमजी/ऐनएमजीएच/एनएमजीएचऐस ऐट सीआरडब्ल्यूएस/बीपीएल। कार्य की लागत:** ₹ 16,86,57,657.12. **निविदा फार्म का मूल्य:** शून्य। **धरोहर राशि:** ₹ 9,93,300/-. **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 18 माह। **ऑनलाइन निविदा बंद होने का दिनांक एवं समय:** 05.01.2026 & 15.30 बजे। **निविदा खुलने का दिनांक एवं समय:** 05.01.2026 & 15.30 बजे। निविदा तथा निविदा प्रारुप की विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** एवं निविदा सूचना मुख्य कारखाना प्रबन्धक, सडिपुका/भोपाल कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है।
मुख्य कारखाना प्रबंधक, सडिपुका, निशातपुरा, भोपाल.
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

रेसलर विनेश फोगाट करेंगी मैट पर कमबैक

वापस लिया रिटायरमेंट का फैसला, लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 पर फोकस

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने अपने रिटायरमेंट के फैसले से यू-टर्न ले लिया है। विनेश ने एक बार फिर मैट पर लौटने का ऐलान कर दिया। विनेश ने एक्स पर पोस्ट कर इस बात की पुष्टि की। विनेश ने कहा कि वह दोबारा अपने ओलंपिक सपने को पूरा करने के लिए प्रशिक्षण शुरू करेंगी। विनेश 2028 में होने जा रहे लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028) को अपना अगला लक्ष्य बनाएंगी।

31 साल की विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक के बाद रिटायरमेंट की घोषणा कर दी थी। उस फैसले ने भारतीय खेल जगत को चौंका दिया था। लेकिन अब उन्होंने स्पष्ट किया है कि वह नई ऊर्जा और नई उम्मीदों के साथ वापसी करने के लिए तैयार हैं। जुलाई में विनेश ने अपने बेटे को जन्म दिया था। विनेश फोगाट ने कहा कि अपने करियर की दूसरी पारी में उनका सबसे बड़ा प्रेरणा स्रोत और 'छोटा चीयरलीडर' उनका बेटा होगा। विनेश की वापसी की घोषणा से भारतीय कुश्ती को बड़ी मजबूती मिलने की उम्मीद है, वह पहले ही कॉमनवेल्थ, एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैम्पियनशिप लेवल पर कई बड़े मेडल जीत चुकी हैं।

पेरिस में विनेश क्यों हुई थीं डिस्क्वालिफाई?- पेरिस ओलंपिक 2024 में विनेश फोगाट ने इतिहास रचने का सपना लेकर वूमेन्स 50 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती के फाइनल में जगह बनाई थी। पूरे देश को उम्मीद थी कि वह फाइनल जीतकर भारत को रेसलिंग में उसका पहला ओलंपिक गोल्ड दिलाएंगी। लेकिन फाइनल से ठीक पहले आई खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया।

कुश्ती से संन्यास के बाद विनेश फोगाट ने राजनीति में रखा था कदम

फाइनल बाउट से पहले विनेश फोगाट का वजन 50 किलो की सीमा से 100 ग्राम अधिक पाया गया। इसके बाद उन्हें तुरंत खिताबी मुकाबले से डिस्क्वालिफाई कर दिया गया। यह उनके करियर का सबसे दर्दनाक क्षण साबित हुआ और इसी घटना के बाद उन्होंने कुश्ती को अलविदा कहने का फैसला किया था। कुश्ती से संन्यास के बाद विनेश फोगाट ने राजनीति में कदम रखा था। हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में उन्होंने जुलाना सीट से कांग्रेस के टिकट पर जीत हासिल की। विनेश को कुल 65,080 वोट मिले, जबकि उनके सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी योगेश कुमार को 59,065 वोट हासिल हुए। इस तरह विनेश ने 6,015 वोटों के अंतर से आसान जीत दर्ज की। अब विनेश मैट पर वापसी कर रही हैं। अब उनकी नजर 2028 ओलंपिक में पदक जीतने पर होंगी।

हार के लिए हेड कोच गौतम गंभीर क्या अकेले दोषी?

अनुशासन में अर्शदीप का ब्रेक फेल, गिल का बल्ला गुल, सूर्या अस्त...

नई दिल्ली, एजेंसी

टी20 क्रिकेट का स्वभाव ही ऐसा है- कभी टीम अर्श पर होती है, तो कभी फर्श पर। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच मौजूदा सीरीज इसका ताजा उदाहरण है। पहले मुकाबले में जहां भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को बुरी तरह पछाड़ा था, वहीं दूसरे मैच में वही अफ्रीका पूरी तैयारी के साथ वापसी करता दिखा। यह उतार-चढ़ाव ञ्ज20 फॉर्मेट की अनिवार्य सच्चाई है और टीम इंडिया के लिए भी एक महत्वपूर्ण संकेत।

मुल्लांपुर टी20 में हार का मूल्यांकन करते समय यह समझना जरूरी है कि दक्षिण अफ्रीका अब विश्व क्रिकेट में सिर्फ चुनौती नहीं, बल्कि एक संगठित दावेदार बनकर उभर रहा है। उनकी बल्लेबाजी की दृढ़ता, गेंदबाजी की सटीकता और फील्डिंग की प्रतिबद्धता इस मैच में साफ दिखी। टी20 वर्ल्ड कप की रेस में उन्होंने अपनी उपस्थिति मजबूती से दर्ज करा दी है, मुकाबला अब बेहद कड़ा होगा।

टॉप ऑर्डर-बल्लेबाजी में फॉर्म का संकट- भारतीय बल्लेबाजी की अस्थिरता टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता बनकर उभरी है। शीर्ष क्रम से लेकर मिडिल ऑर्डर तक वह भरोसेमंद प्रवाह नहीं दिख रहा, जो बड़े मैचों में फर्क पैदा करता है। शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव दोनों ही इस दौर में अपने सर्वश्रेष्ठ खेल से दूर नजर आ रहे हैं।

गिल की तकनीक और टाइमिंग पर कभी सवाल नहीं उठे, लेकिन हालिया मैचों में वह अनावश्यक जोखिम लेते हुए गलत शॉट चयन के शिकार बने हैं, और विकेट ऐसे समय गंवाया है जब टीम को उनसे ठहराव और संयम की सबसे ज्यादा जरूरत थी। इसी तरह सूर्यकुमार यादव, जो टी20 में भारत के सबसे विस्फोटक बल्लेबाज माने जाते हैं- लंबे समय से अपने 360-डिग्री खेल का पुराना असर नहीं दिखा पा रहे। गेंदबाज अब उनके कमजोर क्षेत्रों को पहचान चुके हैं और स्कोरिंग के शुरुआती मौके सीमित कर रहे हैं, जिससे उनका नैचुरल फ्लो टूट रहा है। पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने भी इस चिंता को खुलकर सामने रखा, शुभमन गिल और सूर्यकुमार की फॉर्म क्या कहती है? गेंदबाजी में 13 फुल टॉस- इसे कैसे रोका जाएगा? टीम इंडिया को आगे बढ़ते हुए इन सवालों के जवाब ढूंढने ही होंगे।

कोच गौतम गंभीर को दोष देना जल्दबाजी-

हार के तुरंत बाद कई बार निशाना कोच पर साधा जाता है, लेकिन यहां यह प्रतिक्रिया तथ्य आधारित नहीं है। गौतम गंभीर ने जुलाई 2024 में भारतीय टीम की कमान संभाली है। किसी भी इंटरनेशनल टीम को स्थिर रणनीति और संयोजन में समय लगता है। और सबसे महत्वपूर्ण- इस मैच की ज्यादातर गलतियां रणनीति नहीं, मैदान पर एक्जिक्यूशन की चूकें थीं। फुल टॉस, वाइड, गलत लाइन-लेंथ और सुस्त फील्डिंग किसी भी कोचिंग प्लान का हिस्सा नहीं होतीं। यह खिलाड़ियों की अनुशासन और तत्परता से जुड़ी बातें हैं। कोच दिशा देता है, क्रियान्वयन खिलाड़ी करते हैं। इसलिए गंभीर को इस हार का केंद्रीय दोषी बताना एक सरलीकृत तर्क होगा।

टीम इंडिया के लिए यह हार सिर्फ एक परिणाम नहीं- चेतावनी

टी20 वर्ल्ड कप नजदीक है और इस मैच ने बता दिया कि बल्लेबाजी में स्थिरता,गेंदबाजी में अनुशासन और दबाव में बेहतर एक्जिक्यूशन। इन तीनों क्षेत्रों में तुरंत सुधार की आवश्यकता है।भारत के पास प्रतिभा भी है और गहराई भी। लेकिन ञ्ज20 क्रिकेट किसी भी तरह की ढिलाई को माफ नहीं करता। यह उसी टीम का साथ देता है जो उस दिन बेहतर एक्जिक्यूशन दिखाती है- नाम नहीं, काम मायने रखता है।

गेंदबाजी: अनुशासन की कमी ने मैच पलटा

इस मैच में भारतीय गेंदबाजी अनुशासनहीन दिखी। सबसे अहम क्षण अर्शदीप सिंह का 11वां ओवर रहा, जिसमें 7 वाइड गेंदें फेंकी गईं और यह ओवर 13 गेंदों का बन गया। पूरी पारी में भारतीय गेंदबाजों ने 16 वाइड एक्स्ट्रा दे दिए- यह शीर्ष स्तर की प्रतियोगिता में बड़ा झटका है। फील्डिंग भी अपनी चपलता और धार नहीं दिखा सकी। कई आधे-मौकों पर फील्डर आखिरी कदम देर से उठाते दिखाई दिए, जिससे दबाव बनाने के मौके हाथ से निकल गए। गिल तो कई बार बाउंड्री बचाने से चूके।।। हालांकि उनकी कोशिश पुरजोर दिखी, लेकिन गुरुवार का दिन उनके पक्ष में नहीं था।

न्यूजीलैंड की जीत से टीम इंडिया को आघात

डब्ल्यूटीसी प्वाइंट टेबल में पहुंचा छठवे स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में टीम इंडिया की स्थिति और खराब हो गई है, यानी सीधे शब्दों में कहें तो टीम और नीचे चली गई है। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को वेलिंग्टन टेस्ट में 9 विकेट से हराया और इसके साथ ही वह तीसरे स्थान पर पहुंच गया। इस जीत का सीधा असर भारत की रैंकिंग पर पड़ा और टीम इंडिया एक स्थान फिसलकर छठे नंबर पर आ गई।

पहले दो WTC सीजन में रनर्स-अप रहने वाली भारत की टीम पिछले महीने साउथ अफ्रीका से 0-2 की हार के बाद पहले ही पांचवें नंबर पर चली गई थी। लेकिन अब न्यूजीलैंड की बड़ी जीत ने टेबल में फेरबदल कर दिया है।

ऑस्ट्रेलिया अभी भी 100 प्रतिशत अंक के साथ टॉप पर है। साउथ अफ्रीका 75 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है। श्रीलंका और पाकिस्तान चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड ने अब तक 66।67 प्रतिशत अंक जुटाए हैं, जबकि भारत का विन-लॉस प्रतिशत 48.15 है। भारत की स्थिति और खराब हो सकती है। अगर इंग्लैंड एशेज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वापसी करता है तो भारत सातवें नंबर पर भी जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया फिलहाल सीरीज में 2-0 से आगे है। भारत का अगला टेस्ट असाइनमेंट अगले साल अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ होगा।

वहीं न्यूजीलैंड की जीत ने उन्हें WTC फाइनल में दूसरी बार जगह बनाने की उम्मीदें भी मजबूत कर दी हैं। तीसरे दिन जैकब डफी ने 5 विकेट लेकर वेस्टइंडीज को दूसरी पारी में सिर्फ 128 रन पर रोक दिया। केवल 56 रन के छोटे से टारगेट को न्यूजीलैंड ने डेवोन कॉन्वे (28*) और केन विलियमसन (16*) की बदौलत आसानी से हासिल कर लिया।

इस जीत से न्यूजीलैंड को 12 अहम WTC पॉइंट मिले और वह पाकिस्तान और भारत को पीछे छोड़ते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच गया। दोनों टीमों के बीच तीसरा टेस्ट 18 दिसंबर से माउंट माउंगानुई में शुरू होगा।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट सिस्टम कैसे करता है काम

WTC पॉइंट्स सिस्टम में जीत पर 12, टाई पर 6 और ड्रॉ पर 4 पॉइंट मिलते हैं। टीमों की रैंकिंग कुल पॉइंट्स नहीं, बल्कि पॉइंट्स प्रतिशत के आधार पर तय होती है। 2027 में होने वाले फाइनल में सिर्फ टॉप दो टीमें पहुंचेंगी। अगर किसी टीम की ओवर गति धीमी रही तो उसके पॉइंट्स कट जाते हैं।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

धुरंधर से भिड़ी किस किसको प्यार करूं 2

त्रिधा बोलीं- फिर भी बिकेगी

कपिल शर्मा एक लंबे वक्त के बाद बड़े पर्दे पर कॉमेडी करते नजर आए। उनकी फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 थिएटर्स में रिलीज हो गई है। मगर फिलहाल इन दिनों थिएटर्स में धुरंधर का क्रेज चरम पर है। लोग रणवीर सिंह स्टारर देखने के लिए भारी संख्या में पहुंच रहे हैं। ऐसे में कई बॉक्स ऑफिस एक्सपर्ट्स का मानना है कि कपिल की फिल्म को धुरंधर की वजह से भारी नुकसान हो सकता है। कपिल शर्मा की किस किसको प्यार करूं 2 बॉक्स ऑफिस पर क्या करेगी, ये तो वक्त आने पर पता चल ही जाएगा। मगर उससे पहले फिल्म की हीरोइन त्रिधा चौधरी ने धुरंधर संग क्लैश पर बात की। जूम को दिए इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने कहा, धुरंधर दरअसल एक अलग जॉनर की फिल्म है। हमारी फिल्म के बॉक्स ऑफिस की तुलना दूसरी कॉमेडी फिल्में जैसे दे दे प्यार दे 2 और मस्ती 4 जैसी फिल्मों से करना सही होगा।

मुझे पता है कि मैंने अच्छा काम किया है

त्रिधा ने आगे बॉक्स ऑफिस नंबर्स पर भी अपनी राय दी। उन्होंने कहा, जब बात बॉक्स ऑफिस की आती है तो मुझे समझ नहीं आता कि ये किसी की गलती कैसे हो सकती है या नहीं हो सकती। आज भी मैं ये नहीं समझ पाती कि लोग इसे किसी एक्टर या एक्ट्रेस पर कैसे थोप देते हैं। लेकिन असली बात ये है।।। जब लोग मुझे स्क्रीन पर देखते हैं, तो उन्होंने मेरा काम देख लिया ना? फिर भी वो मुझे आगे रोल देते हैं, है ना? मुझे पता है कि मैंने अच्छा काम किया है। तो बताओ, एक आर्टिस्ट के तौर पर ये मुझे कैसे इफेक्ट करता है? त्रिधा ने इसी बातचीत में अपनी फिल्म को ऑडियंस मिलने पर भी बात की।

सलमान खान बॉलीवुड के उन सुपरस्टार्स में शुमार हैं, जिनकी एक झलक पाने के लिए फैंस दीवाने रहते हैं। वो पिछले कई सालों से बॉक्स ऑफिस और लोगों के दिलों पर राज कर रहे हैं। यही कारण है कि उन्हें सुपरस्टार का टैग मिला है। मगर अपने काम में बिजी रहने वाले सलमान, खुद को थोड़ा पर्सनल टाइम नहीं दे पाते हैं।

25 साल से बाहर डिनर पर नहीं गया

सलमान खान ने सुनाया बिजी लाइफस्टाइल का दर्द

सलमान हाल ही में जेद्दा, साऊदी अरब में आयोजित रेड सी फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुए, जहां उन्होंने अपनी फिल्मों और लाइफस्टाइल पर खुलकर बात की। एक्टर ने वहां ये भी बताया कि वो पिछले 25 सालों से काफी बिजी चल रहे हैं। वो अपने परिवार के साथ कहीं डिनर करने भी नहीं

गए। सलमान ने कहा, मैंने अपनी जिंदगी का ज्यादातर समय अपने परिवार और दोस्तों के साथ बिताया है, जिनमें से काफी निकल लिए हैं और बस 4-5 ही हैं जो बहुत पहले से मेरे साथ हैं। पिछले 25-26 साल हो गए हैं, मैं कहीं बाहर डिनर पर नहीं गया हूं। शूटिंग से घर, घर से शूटिंग, घर से एयरपोर्ट, एयरपोर्ट से होटल और होटल से यहां। बस यही है मेरी जिंदगी। और मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है। या तो ये चाहिए कि आप घूमो फिरो और ये सब ना हो, ये ऐसी चीज है जो मैं नहीं चाहता। आप लोग इतनी इज्जत देते हैं और प्यार देते हैं। उसी के लिए मेहनत करता हूं, बीच-बीच में थोड़ा आत्मसंतुष्ट हो जाता हूं।। लेकिन उसके भी मजे लेता हूं ये सोचकर कि आगे क्या आने वाला है। सलमान खान लगातार फैंस से रूबरू होने टीवी और थिएटर्स पर आते रहते हैं।

मेट्रो बाजार

भारत में खुदरा महंगाई दर नवंबर में 0.71 प्रतिशत रही

नई दिल्ली। भारत में खुदरा महंगाई दर नवंबर में 0.71 प्रतिशत रही है, जो कि अक्टूबर की महंगाई दर 0.25 प्रतिशत से 46 आधार अंक अधिक है। यह जानकारी सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से दी गई। मंत्रालय ने बताया कि नवंबर में शहरी क्षेत्रों में महंगाई दर 1.40 प्रतिशत रही है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई दर 0.10 प्रतिशत रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर में खाद्य महंगाई दर -3.91 प्रतिशत रही है। ग्रामीण इलाकों में खाद्य महंगाई दर -4.05 प्रतिशत है, जबकि शहरी इलाकों में खाद्य महंगाई दर -3.60 प्रतिशत रही है।

नवंबर में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले अनाज की कीमत में 0.10 प्रतिशत, मांस और मछली की कीमत में 2.50 प्रतिशत, अंडों की कीमत में 3.77 प्रतिशत, दूध और उससे जुड़े उत्पादों की कीमतों में 2.45 प्रतिशत, ऑयल और फैट की कीमतों में 7.87 प्रतिशत, फलों की कीमतों में 6.87 प्रतिशत, चीनी और उससे जुड़े उत्पादों की कीमतों में 4.02 प्रतिशत और गैर अल्कोहल पेय पदार्थों की कीमतों में 2.92 प्रतिशत का इजाफा देखा गया है।

दूसरी तरफ सब्जियों की कीमतों में 22.20 प्रतिशत, दालों और उससे जुड़े उत्पादों की कीमतों में 15.86 प्रतिशत और मसालों की कीमतों में 2.89 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। सरकारी आंकड़ों में बताया गया कि परिवहन और संचार में महंगाई दर नवंबर में 0.88 प्रतिशत रही है, जो कि अक्टूबर में 0.94 प्रतिशत पर थी। ईंधन और ऊर्जा में नवंबर में महंगाई दर 2.32 प्रतिशत रही है, जो कि अक्टूबर में 1.98 प्रतिशत थी।

भारत में रोजगार बढ़ाने के लिए कौशल प्रशिक्षण और छोटे उद्योग सबसे जरूरी : एनसीएईआर

नई दिल्ली । नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) की एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में ज्यादा रोजगार पैदा करने के लिए दो बातें सबसे जरूरी हैं, जिसमें लोगों को अच्छे कौशल (स्किल) देना और छोटे उद्योगों की क्षमता बढ़ाना शामिल है।

यह रिपोर्ट प्रोफेसर फरजाना अफरीदी और उनकी टीम ने तैयार की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को अपने कामकाजी लोगों की संख्या और उनकी गुणवत्ता दोनों बढ़ाने की जरूरत है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अभी रोजगार बढ़ने का मुख्य कारण स्व-रोजगार में वृद्धि है, जबकि कुशल कामगारों की संख्या काफी धीमी गति से बढ़ रही है। वहीं अगर भारत कपड़ा, जूते, खाद्य प्रसंस्करण जैसे श्रम-प्रधान उद्योगों और सेवा क्षेत्रों में रोजगार बढ़ाए तो देश की जीडीपी लगभग 8 प्रतिशत की स्थिर गति से बढ़ सकती है, जो विकसित भारत के लक्ष्य के लिए महत्वपूर्ण है।

एनसीएईआर के वाइस चेयरमैन मनीष सभरवाल ने कहा कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। हालांकि इसकी प्रति व्यक्ति आय अभी 128वें स्थान पर है, लेकिन यह भारत के लिए रोजगार बढ़ाने और सभी लोगों को साथ लेकर चलने का बड़ा अवसर है। प्रोफेसर अफरीदी ने बताया कि भारत में लोग ज्यादातर खुद का काम इसलिए करते हैं क्योंकि उनके पास कम विकल्प होते हैं। उन्होंने कहा कि जैसे छोटे

आईओटी समेत कई इलाकों में वायु गुणवत्ता गंभीर

दिल्ली गैस चैंबर में तब्दील एक्यूआई 400 के पार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुबह जहरीले स्मॉग की मोटी परत छाई रही। ITO इलाके से सामने आए विजुअल्स में शहर धुंध और प्रदूषण की चादर में लिपटा नजर आया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार सुबह 6 बजे ITO क्षेत्र का एयर क्वालिटी इंडेक्स 417 दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है और स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक माना जाता है। सीपीसीबी के ताजा आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली के कई इलाकों में हालात और भी खराब हैं। वजीरपुर में एक्यूआई 443, जहांगीरपुरी में 439, आनंद विहार और रोहिणी में 434, नरेला में 425 और बावना में 424 दर्ज किया गया। बुर्की, चांदनी चौक, पंजाबी बाग और मुंडका जैसे घनी आबादी वाले इलाकों में भी एक्यूआई 410 से ऊपर बना हुआ है। हालांकि आईजीआई एयरपोर्ट क्षेत्र मे एक्यूआई 307 रहा, लेकिन यह भी बेहद खराब श्रेणी में ही आता है। दिल्ली की यह स्थिति ऐसे समय सामने आई है जब दिसंबर का लगभग आधा महीना बीत चुका है। आमतौर पर इस समय तक उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड, घना कोहरा और ठिठुरन देखने को मिलती थी, लेकिन इस बार मौसम अपने तय पैटर्न से काफी अलग नजर आ रहा है।

न्यूज विंडो

मां के पास सो रही थी बेटी, जबड़े में दबोच ले गया भेड़िया

बहराइच। बहराइच में भेड़िया का आतंक रुकने का नाम नहीं ले रहा है। कैसरगंज इलाके के ग्राम पंचायत गोडहिया नंबर 4 के मजरा जरूवा में आज सुबह घर के बरामदे में मां के साथ सो रही एक वर्षीय बच्ची को भेड़िया जबड़े में दबोच कर गन्ने के खेत में भाग निकला। परिवारजन ने शोर मचाने पर ग्रामीण एकत्रित हो गए, लेकिन तब तक भेड़िया आंखों से ओझल हो गया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। घटना की जानकारी पाकर पुलिस व वन विभाग की टीम ग्रामीणों के साथ बच्ची की तलाश में इलाके में सर्च आपरेशन चला रही है । जरूवा निवासी रामकुमार की एक वर्षीय पुत्री आरवी अपनी मां राम कुमारी के साथ घर के बरामदे में सो रही थी। अचानक एक भेड़िया आया और मां के बगल सो रही बच्ची को जबड़े मे दबोच लिया।

काशी विश्वनाथ मंदिर के दान पात्र से 1 लाख रुपए की चोरी

फिरोजाबाद। नगला करन सिंह मोहल्ले में स्थित शिव मंदिर में गुरुवार रात दान पत्र का ताला तोड़कर चोरी का मामला सामने आया है। मंदिर में लोग पूजा करने पहुंचे तो दानपत्र टूटा हुआ था। आसपास नोट बिखरे हुए थे। सूचना पर पहुंची थाना उत्तर पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है।नगला करन क्षेत्र में कई वर्ष पुराना काशी विश्वनाथ मंदिर है। मंदिर में शुक्रवार सुबह मोहल्ले के लोग पूजा करने पहुंचे तो दानपत्र का ताला टूटा हुआ था। आसपास कुछ नोट बिखरे पड़े थे। मंदिर में चोरी की सूचना पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर थाना उत्तर पुलिस पहुंची।मंदिर समिति के रवींद्र सिंह ने बताया कि चोर दानपत्र का ताला तोड़कर पेटिका उठाकर नीचे ले गए और उसमें से सौ और पांच सौ के नोट निकाल ले गए, लेकिन हड़बड़ी में कुछ छोटे नोट नहीं समेट पाया।

कर्नाटक गृहमंत्री पर भड़के चिदंबरम, बोले-बुलडोजर एक्शन चिंतनीय

नई दिल्ली। कर्नाटक के गृहमंत्री जी. परमेश्वर द्वारा ड्रग तस्करों के घरों पर बुलडोजर एक्शन संबंधी बयान दिए जाने के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने उनकी आलोचना की है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि वह इस बयान से चिंतित है। माननीय कोर्ट भी यह साफ कर चुका है कि बिना उचित कार्रवाई के घर गिराना कानूनी प्रक्रिया का उल्लंघन है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए चिदंबरम ने कहा, 'मैंने कर्नाटक गृहमंत्री का एक रिपोर्टेड बयान पढ़ा। इसमें वह ड्रग तस्करों के ऊपर बुलडोजर ऐक्शन की बात कह रहे हैं। मैं इस बयान से चिंतित हूं। उम्मीद है कि यह रिपोर्ट गलत हो।

ट्रंप के सीजफायर वाले दावे पर दोनों देश खामोश

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच नहीं थम रही जंग, बॉर्डर पर जबरदस्त बमबारी

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीजफायर कराने के दावे के बावजूद दोनों देशों के बीच सीमा पर लड़ाई थमती नहीं दिख रही है। कंबोडिया ने दावा किया है कि शनिवार सुबह भी थाई सेनाएं विवादित सीमा पर हमले कर रही हैं, जबकि थाईलैंड ने उलटे कंबोडिया पर अंतरराष्ट्रीय नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। फिलहाल, थाईलैंड और कंबोडिया के बीच विवादित सीमा पर सैन्य टकराव नहीं रुक रहा। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने दोनों देशों के बीच सीजफायर कराने में अहम भूमिका निभाई है। कंबोडिया के सूचना मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि थाई सैन्य बलों ने सीमा पार हमले बंद नहीं किए हैं। मंत्रालय के मुताबिक, थाई सेनाएं अब भी बमबारी कर रही हैं और इन हमलों में फाइटर जेट्स का भी इस्तेमाल किया गया है।

थाईलैंड का पलटवार, कंबोडिया पर गंभीर आरोप- वहीं, थाईलैंड की सेना ने कंबोडिया के आरोपों को खारिज करते हुए पलटवार किया है। थाई सेना का कहना है कि कंबोडिया बार-बार अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर रहा है। थाईलैंड के मुताबिक कंबोडियाई बलों ने नागरिक इलाकों को निशाना बनाया है और सीमा क्षेत्रों में बारूदी सुरंगें बिछाई हैं।

ट्रंप का दावा, लेकिन दोनों देशों में नहीं बन रही सहमति

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रात थाई प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीराकुल और कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेत से फोन पर बातचीत के बाद कहा था कि दोनों देश शुक्रवार से ही सभी तरह की गोलीबारी रोकने पर सहमत हो गए हैं। हालांकि ट्रंप के इस दावे के बाद दोनों देशों के नेताओं के बयानों में किसी औपचारिक सीजफायर समझौते का जिक्र नहीं किया गया। थाई प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीराकुल ने साफ कहा कि कोई सीजफायर नहीं हुआ है। जब ट्रंप के दावे पर सवाल किया गया तो थाई विदेश मंत्रालय ने पत्रकारों को प्रधानमंत्री के बयान का हवाला दिया।

कंबोडिया ने दोहराई शांतिपूर्ण समाधान की बात

कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेत ने शनिवार को फेसबुक पर जारी एक बयान में ट्रंप के साथ हुई बातचीत और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ पहले हुई चर्चा का जिक्र किया। मानेत ने कहा कि कंबोडिया अब भी विवादों का शांतिपूर्ण समाधान चाहता है। उन्होंने कहा कि कंबोडिया अक्टूबर में मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में हुए पहले के समझौते के तहत ही विवाद सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ट्रंप ने की थी दोनों देश के प्रधानमंत्रियों से बात

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया था कि थाईलैंड और कंबोडिया शुक्रवार शाम से अपने जॉइंट बॉर्डर पर सभी तरह की सैन्य कार्रवाइयों को रोकने पर सहमत हो गए हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने थाई प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीराकुल और कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेत से अलग-अलग बातचीत की। उन्होंने इन चर्चाओं को बेहद सकारात्मक बताया और कहा कि इनका मकसद दोनों देशों के लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद में हालिया तनाव को खत्म करना था।

जयपुर में चौथा निवेशक शिविर आयोजित हुआ

जयपुर। सिक्योरिटीज़ एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) और मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स के तहत इन्वेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड अथॉरिटी (आईईपीएफए) ने मिलकर राजस्थान के जयपुर में चौथा 'निवेशक शिविर' आयोजित किया। इस इन्वेस्टर आउटरीच पहल का उद्देश्य शेयरधारकों को बकाया लाभांश और बिना दावा किए गए शेयर्स की वापसी में मदद करना और इस तरह सिस्टम में बिना दावे वाली निवेशक परिसंपत्तियों की संख्या को कम करना है।

यह शिविर प्रमुख मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशन्स (एमआईआई)- एनएसई, बीएसई, सीडीएसएल और एनएसडीएल, तथा रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट्स (आरटीए)- केफिन टेक्नोलॉजीस लिमिटेड, एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, बिगशेयर सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड, कैम्स और पूर्वा शेयरगिस्ट्री इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में सेबी के जनरल मैनेजर श्री बिनोद शर्मा, आईईपीएफए के जॉइंट डायरेक्टर श्री रुवित कुमार, आईईपीएफए की डीजीएम श्रीमती समीक्षा लाम्बा और एनएसई के एसवीपी श्री आविष्कार नाइक सहित सेबी, आईईपीएफए, एमआईआई और आरटीए के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दिन भर चले इस शिविर में जयपुर और आसपास के क्षेत्रों से 301 से अधिक निवेशकों और आवेदकों ने हिस्सा लिया। इस आयोजन में स्थित 22 विशेष सेवा डेस्क के अंतर्गत निम्नलिखित विषयों पर सम्पूर्ण सहायता प्रदान की गई।

संसद पर हमले की 24वीं बरसी, शहीदों को किया नमन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद पर हुए आतंकी हमले की 24वीं बरसी पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने 13 दिसंबर 2001 को देश की सुरक्षा करते हुए शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों को याद करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की।इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति, राज्यसभा के अध्यक्ष और कई अन्य लोग भी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान शहीदों की वीरता को सम्मान देने के लिए सीआईएसएफ ने सलामी दी और सभी ने मौन रखकर उन्हें नमन किया।

वकील की शोक सभा में जाने से चिढ़ा खामेनेई शासन...

नोबेल विजेता नरगिस ईरान में फिर अरेस्ट

नई दिल्ली। ईरान में मानवाधिकारों को लेकर एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता गहराती दिख रही है। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता और जानी-मानी मानवाधिकार कार्यकर्ता नरगिस मोहम्मदी को ईरानी सुरक्षा बलों ने कथित तौर पर हिंसक तरीके से हिरासत में ले लिया। यह घटना उस समय हुई, जब वह दिवंगत मानवाधिकार वकील खोसरो अलीकोर्दी की स्मृति सभा में शामिल होने के लिए मशहद पहुंची थीं।

53 वर्षीय नरगिस मोहम्मदी हाल ही में मेडिकल ग्राउंड पर जेल से बाहर थीं और माना जा रहा था कि उन्हें दोबारा जेल नहीं भेजा जाएगा। उनकी फाउंडेशन के अनुसार, स्मृति सभा के दौरान पुलिस और सुरक्षा बलों ने उन्हें जबरन पकड़ लिया। इस दौरान कई अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया गया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में मोहम्मदी बिना हिजाब के भीड़ को संबोधित करती और नारे लगवाती दिखीं, जिसके बाद मौके पर भारी सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए।

मानवाधिकार संगठन कर सकते हैं विरोध

यह गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है जब ईरान आर्थिक दबाव, प्रतिबंधों और संभावित क्षेत्रीय संघर्ष की आशंकाओं के बीच अपने भीतर असहमति की आवाजों पर सख्ती बढ़ा रहा है। मोहम्मदी की हिरासत से पश्चिमी देशों और मानवाधिकार संगठनों की नाराजगी और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है, खासकर तब जब ईरान अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता बहाल करने के संकेत दे रहा है।

प्रगवाल सेक्टर से पाक आतंकवादी गिरफ्तार

जम्मू। सीमा सुरक्षा बल ने जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की एक बहुत बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। बीएसएफ के जवानों ने मुस्तैदी दिखाते हुए प्रगवाल सेक्टर से एक संदिग्ध आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। यह कामयाबी अचानक नहीं मिली, बल्कि इसके लिए बीएसएफ ने दो दिनों तक एक बड़ा ऑपरेशन चलाया था। शुरुआती जांच और खुफिया जानकारी से पता चला है कि पकड़ा गया यह संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद के एक बड़े ग्रुप को भारत में घुसपैठ कराने की फिराक में था। सुरक्षा एजेंसियों के लिए यह एक बड़ी राहत की खबर है, क्योंकि अगर यह घुसपैठ सफल हो जाती तो जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा पैदा हो सकता था। बीएसएफ को यह भी शक है कि इस संदिग्ध का कनेक्शन चीनी हथियारों से हो सकता है।

दो दिन तक चला स्पेशल ऑपरेशन

बीएसएफ को खुफिया सूत्रों से इनपुट मिले थे कि जम्मू जिले के प्रगवाल सेक्टर में सीमा पार से कुछ हलचल हो रही है। इसके बाद जवानों ने अपना जाल बिछाया। यह ऑपरेशन करीब दो दिनों तक चला। जवानों ने दिन-रात कड़ी निगरानी रखी और आखिरकार संदिग्ध को दबोच लिया। यह गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब कोहरे और सर्दी की आड़ में पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ की कोशिशें बढ़ जाती हैं।

मेट्रो एंकर

लाहौर प्रबंधन विज्ञान विश्वविद्यालय ने की पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने की तैयारी

पाकिस्तान में पहली बार संस्कृत, गीता पढ़ेंगे बच्चे

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान में पहली बार बच्चे संस्कृत पढ़ेंगे और हिंदू धर्म ग्रंथ गीता का अध्ययन करेंगे। दरअसल लाहौर प्रबंधन विज्ञान विश्वविद्यालय (एलयूएमएस) ने पहली बार संस्कृत को अपने पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। आजादी के 77 साल बाद यह कदम पाकिस्तान में शैक्षिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा।

संस्कृत कोर्स की शुरुआत एक साप्ताहिक कार्यशाला से हुई थी, जो अब कोर्स में बदल गई है। एलयूएमएस अब महाभारत और भगवद्गीता पर अलग कोर्स शुरू करने की तैयारी में है। इस प्रयास से पाकिस्तान में संस्कृत के विद्वान तैयार होंगे।

दक्षिण एशिया में सांस्कृतिक पुल बनाने की कोशिश- गुरमानी सेंटर के निदेशक डॉ. अली उस्मान कासमी और एफसी कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शाहिद रशीद विभागाध्यक्ष हैं। डॉ. रशीद मुख्य रूप से संस्कृत व्याकरण और शास्त्रीय साहित्य पढ़ाते हैं। शुरुआत में छात्र कठिनाई महसूस कर रहे थे, फिर संस्कृत की तार्किक संरचना समझी और विषय में उनकी रुचि बढ़ गई। छात्र हैरान हो गए कि उर्दू और अन्य स्थानीय भाषाओं के कई शब्द संस्कृत से आए हैं। डॉ. कासमी और डॉ. रशीद मानते हैं कि संस्कृत, हिंदी, उर्दू और अन्य भाषाओं के बीच गहरा संबंध है। यह कोर्स दक्षिण एशिया में सांस्कृतिक पुल बनाने का अवसर प्रदान करता है और भाषाई समृद्धि बढ़ाता है।

एक साल का कोर्स बनाने की तैयारी

एलयूएमएस का लक्ष्य 2027 तक इसे एक साल का कोर्स बनाना है। कोर्स के माध्यम से छात्र महाभारत और भगवद्गीता जैसे ग्रंथों का अध्ययन कर सकेंगे और पाकिस्तान में शास्त्रीय भाषाओं के क्षेत्र में नए विद्वान तैयार होंगे। डॉ. रशीद का कहना है कि संस्कृत सांस्कृतिक स्मारक की तरह है। इसे सभी को अपनाना चाहिए। यह किसी एक मजहब की नहीं, बल्कि पूरी मानवता की धरोहर है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564